PREVIEW QUESTION BANK(Dual)

Module Name : Law
Exam Date : 16-Jun-2023 Batch : 15:00-18:00

Sr. No.	Client Question ID	Question Body and Alternatives	Marks	Negativ Marks

Objective Question

1 1651

The following table shows the income, expenditure and profit percentage of a company for six years from 2017 to 2022. Income and expenditure figures are in Rs. million and the percentage increase in profit percent in year 2022 in comparison to previous year is $33\frac{1}{3}\%$. Based on the data in the table, answer the questions that follow.

Year-wise details of Income, Expenditure and Profit of a company

Year	Income (in Rs. million)	Expenduture (in Rs. million)	Profit%
2017	103.824	-	12%
2018	-	83.8	25%
2019	95.76	84	-
2020	113.28	-	20%
2021	133.1	110	-
2022	121.6	-	-

Note: Some values are missing in the table (marked as '-') that you are expected to calculate if required.

Expenditure of the company in 2022 is (in Rs. million)

1. 94
2. 95
3. 99
4. 81

नीचे दी गई तालिका में वर्ष 2017 से वर्ष 2022 तक छः वर्षों के लिए एक कंपनी के आय, व्यय और लाभ प्रतिशत प्रदर्शित है। आयु और व्यय के अंक रू मिलियन में है और पूर्व वर्ष की तुलना में वर्ष 2022 में लाभ प्रतिशत में प्रतिशत वृद्धि $33\frac{1}{3}\%$ है। तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

कंपनी के आय, व्यय और लाभ का वर्षवार विवरण

वर्ष	आय (रू. मिलियन में)	व्यय (रू. मिलियन में)	लाभ%
2017	103.824	-	12%
2018	-	83.8	25%
2019	95.76	84	-
2020	113.28	-	20%
2021	133.1	110	-
2022	121.6	-	-

टिप्पणी: तालिका में (चिन्हित '-' के स्थान पर) कुछ मान लुप्त हैं जिसे आवश्यकतानुसार आपसे गणना करने की अपेक्षा है।

वर्ष 2022 में कंपनी का व्यय (रू. मिलियन में) है।

1. 94
2. 95
3. 99
4. 81

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

2 1652

The following table shows the income, expenditure and profit percentage of a company for six years from 2017 to 2022. Income and expenditure figures are in Rs. million and the percentage increase in profit percent in year 2022 in comparison to previous year is $33\frac{1}{3}\%$. Based on the data in the table, answer the questions that follow.

Year-wise details of Income, Expenditure and Profit of a company

Year	Income (in Rs. million)	Expenduture (in Rs. million)	Profit%
2017	103.824	-	12%
2018	-	83.8	25%
2019	95.76	84	-
2020	113.28	-	20%
2021	133.1	110	-
2022	121.6	-	-

Note: Some values are missing in the table (marked as '-') that you are expected to calculate if required.

Exoenditure in 2020 is _______% more than the expenditure in 2017. (round off to two decimal places)

1. 1.22
2. 1.69
3. 1.83
4. 1.45

नीचे दी गई तालिका में वर्ष 2017 से वर्ष 2022 तक छः वर्षों के लिए एक कंपनी के आय, व्यय और लाभ प्रतिशत प्रदर्शित है। आयु और व्यय के अंक रू मिलियन में है और पूर्व वर्ष की तुलना में वर्ष 2022 में लाभ प्रतिशत में प्रतिशत वृद्धि $33\frac{1}{3}\%$ है। तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

कंपनी के आय, व्यय और लाभ का वर्षवार विवरण

वर्ष	आय (रू. मिलियन में)	व्यय (रू. मिलियन में)	लाभ%
2017	103.824	-	12%
2018	-	83.8	25%
2019	95.76	84	-
2020	113.28	-	20%
2021	133.1	110	-
2022	121.6	-	-

टिप्पणी: तालिका में (चिन्हित '-' के स्थान पर) कुछ मान लुप्त हैं जिसे आवश्यकतानुसार आपसे गणना करने की अपेक्षा है।

वर्ष 2020 में व्यय वर्ष 2017 के व्यय से _______% अधिक है। (दो दशमलव स्थानों तक पूर्ण अंको में)

1. 1.22
2. 1.69
3. 1.83
4. 1.45

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

3	1653	

The following table shows the income, expenditure and profit percentage of a company for six years from 2017 to 2022. Income and expenditure figures are in Rs. million and the percentage increase in profit percent in year 2022 in comparison to previous year is $33\frac{1}{3}\%$. Based on the data in the table, answer the questions that follow.

Year-wise details of Income, Expenditure and Profit of a company

Year	Income (in Rs. million)	Expenduture (in Rs. million)	Profit%
2017	103.824	-	12%
2018	-	83.8	25%
2019	95.76	84	-
2020	113.28	-	20%
2021	133.1	110	-
2022	121.6	-	-

Note: Some values are missing in the table (marked as '-') that you are expected to calculate if required.

What is the average expenditure (in Rs. million) of the company for five years from 2018 to 2022?

1. 93.44
2. 92.88
3. 93.98
4. 94.88

नीचे दी गई तालिका में वर्ष 2017 से वर्ष 2022 तक छः वर्षों के लिए एक कंपनी के आय, व्यय और लाभ प्रतिशत प्रदर्शित है। आयु और व्यय के अंक रू मिलियन में है और पूर्व वर्ष की तुलना में वर्ष 2022 में लाभ प्रतिशत में प्रतिशत वृद्धि $33\frac{1}{3}\%$ है। तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

कंपनी के आय, व्यय और लाभ का वर्षवार विवरण

वर्ष	आय (रू. मिलियन में)	व्यय (रू. मिलियन में)	लाभ%
2017	103.824	-	12%
2018	-	83.8	25%
2019	95.76	84	-
2020	113.28	-	20%
2021	133.1	110	-
2022	121.6	-	-

टिप्पणी: तालिका में (चिन्हित '-' के स्थान पर) कुछ मान लुप्त हैं जिसे आवश्यकतानुसार आपसे गणना करने की अपेक्षा है।

वर्ष 2018 से वर्ष 2022 तक पांच वर्षों में कंपनी का औसत व्यय (रू. मिलियन में) क्या है?

1. 93.44
2. 92.88
3. 93.98
4. 94.88

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

4 1654

The following table shows the income, expenditure and profit percentage of a company for six years from 2017 to 2022. Income and expenditure figures are in Rs. million and the percentage increase in profit percent in year 2022 in comparison to previous year is $33\frac{1}{3}\%$. Based on the data in the table, answer the questions that follow.

Year-wise details of Income, Expenditure and Profit of a company

Year	Income (in Rs. million)	Expenduture (in Rs. million)	Profit%
2017	103.824	-	12%
2018	-	83.8	25%
2019	95.76	84	-
2020	113.28	-	20%
2021	133.1	110	-
2022	121.6	-	-

Note: Some values are missing in the table (marked as '-') that you are expected to calculate if required.

What is the approximate percent profit of the company till 2020 taking total expenditure and total income till the end of 2020 for all the years taken together?

1. 18.92%
2. 16.47%
3. 18.24%
4. 17.67%

नीचे दी गई तालिका में वर्ष 2017 से वर्ष 2022 तक छः वर्षों के लिए एक कंपनी के आय, व्यय और लाभ प्रतिशत प्रदर्शित है। आयु और व्यय के अंक रू मिलियन में है और पूर्व वर्ष की तुलना में वर्ष 2022 में लाभ प्रतिशत में प्रतिशत वृद्धि $33\frac{1}{3}\%$ है। तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

कंपनी के आय, व्यय और लाभ का वर्षवार विवरण

वर्ष	आय (रू. मिलियन में)	व्यय (रू. मिलियन में)	लाभ%
2017	103.824	-	12%
2018	-	83.8	25%
2019	95.76	84	-
2020	113.28	-	20%
2021	133.1	110	-
2022	121.6	-	-

टिप्पणी: तालिका में (चिन्हित '-' के स्थान पर) कुछ मान लुप्त हैं जिसे आवश्यकतानुसार आपसे गणना करने की अपेक्षा है।

सभी वर्षों को एक साथ लेकर वर्ष 2020 के अंत तक के कुल व्यय और कुल आय से वर्ष 2020 तक कंपनी का लगभग प्रतिशत लाभ क्या है?

1. 18.92%
2. 16.47%
3. 18.24%
4. 17.67%

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

5 1655

The following table shows the income, expenditure and profit percentage of a company for six years from 2017 to 2022. Income and expenditure figures are in Rs. million and the percentage increase in profit percent in year 2022 in comparison to previous year is $33\frac{1}{3}\%$. Based on the data in the table, answer the questions that follow.

Year-wise details of Income, Expenditure and Profit of a company

Year	Income (in Rs. million)	Expenduture (in Rs. million)	Profit%
2017	103.824	-	12%
2018	-	83.8	25%
2019	95.76	84	-
2020	113.28	-	20%
2021	133.1	110	-
2022	121.6	-	-

Note: Some values are missing in the table (marked as '-') that you are expected to calculate if required.

If the expenditure was increased by 20% in the year 2017 in comparison to the year 2016 and profit percentage in 2016 was 25% less than the profit percentage in 2017, then what is the income of the company in 2016? (in Rs. million)

1. 83.2020
2. 85.6211
3. 81.2430
4. 84.2025

नीचे दी गई तालिका में वर्ष 2017 से वर्ष 2022 तक छः वर्षों के लिए एक कंपनी के आय, व्यय और लाभ प्रतिशत प्रदर्शित है। आयु और व्यय के अंक रू मिलियन में है और पूर्व वर्ष की तुलना में वर्ष 2022 में लाभ प्रतिशत में प्रतिशत वृद्धि $33\frac{1}{3}\%$ है। तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिएः

कंपनी के आय, व्यय और लाभ का वर्षवार विवरण

वर्ष	आय (रू. मिलियन में)	व्यय (रू. मिलियन में)	लाभ%
2017	103.824	-	12%
2018	-	83.8	25%
2019	95.76	84	-
2020	113.28	-	20%
2021	133.1	110	-
2022	121.6	-	-

टिप्पणीः तालिका में (चिन्हित '-' के स्थान पर) कुछ मान लुप्त हैं जिसे आवश्यकतानुसार आपसे गणना करने की अपेक्षा है।

यदि वर्ष 2016 की तुलना में वर्ष 2017 में कंपनी का व्यय 20% बढ़ गया और वर्ष 2017 की तुलना में लाभ प्रतिशत वर्ष 2016 में 25% कम था, तो कंपनी की वर्ष 2016 में आय (रू. मिलियन में) क्या है?

1. 83.2020
2. 85.6211
3. 81.2430
4. 84.2025

A1: 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

6 1656 Which of the following factors affect learning of learners?

A. Family structure
B. Socio-economic status
C. Cultural back-ground
D. Type of school

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, C and D only
2. B and C only
3. A, B, C and D
4. D only

निम्नलिखित में से कौन से कारक अधिगमकर्ताओं के अधिगम को प्रभावित करते हैं?

A. पारिवारिक संरचना
B. सामाजिक-आर्थिक स्थिति
C. सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
D. विद्यालय का प्रकार

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, C और D
2. केवल B और C
3. A, B, C और D
4. केवल D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

7 1657 In collabarative learning, from which of the following strategies, listening skill is developed?

1. Fish Bowl
2. Circle of Voices
3. Jigsaw Strategy
4. Case Study

सहयोगात्मक अधिगम में, निम्नलिखित में से किस रणनीति से श्रवण कौशल विकसित होता है?

1. फिश बाउल
2. स्वरों का समूह (सर्कल ऑफ वाइसेज़)
3. जिग्सॉ रणनीति
4. प्रकरण अध्ययन

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

8 1658 Match List I with List II

LIST I (Online Tools)		LIST II (Functions)	
A.	Edpuzzle	I.	Live polling & feedback
B.	Mindmeister	II.	Content Creation
C.	Google Docs	III.	Mind Mapping
D.	Mentimeter	IV.	Interactive Videos

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-III, B-II, C-IV, D-I
2. A-IV, B-III, C-I, D-II
3. A-II, B-IV, C-I, D-III
4. A-I, B-III, C-II, D-IV

सूची I के साथ सूची II का मिलान कीजिए

सूची I (ऑनलाइन साधन)		सूची II (कार्य)	
A.	एडपज़ल	I.	लाइव मतदान एवं प्रतिपुष्टि
B.	माइंड मीस्टर	II.	विषयवस्तु निर्माण
C.	गूगल डॉक्स	III.	मन चित्रण
D.	मेन्टीमीटर	IV.	अन्योन्य क्रियात्मक वीडियो

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-III, B-II, C-IV, D-I
2. A-IV, B-III, C-I, D-II
3. A-II, B-IV, C-I, D-III
4. A-I, B-III, C-II, D-IV

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

9 1659

Portfolio assessment consists of

A. Prohibit collaboration among teachers and students during the assessment process
B. Addressing the students achievements only
C. Engaging the students in assessing their progress and establishing ongoing learning goals
D. Provide students opportunities to reflect upon feeling about learning
E. Link assessment and teaching to learning

Choose the correct answer from the options given below:

1. B and C only
2. D and E only
3. C, D and E only
4. A, B and D only

पोर्टफोलियो मूल्यांकन में शामिल हैं:

A. मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के बीच सहयोग का निषेध
B. केवल विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर ध्यान देना
C. विद्यार्थियों को उनकी प्रगति के मूल्यांकन में तथा जारी अधिगम लक्ष्यों को स्थापित करने में शामिल करना
D. अधिगम के संदर्भ में भावों पर चिन्तन करने के लिए विद्यार्थियों को अवसर प्रदान करना
E. मूल्यांकन एवं शिक्षण का अधिगम से संबंध करना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल B और C
2. केवल D और E
3. केवल C, D और E
4. केवल A, B और D

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

10 1660

Given below are two statements :
Statement I : According to Vygotsky, learning occurs through social interaction and collaboration.
Statement II : According to Vygotsky, scaffolding involves providing the student with all of the asnwers and solutions to a problem.
In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

नीचे दो कथन दिए गए हैः
कथन I : विगोत्स्की के अनुसार, अधिगम सामाजिक अन्योन्यक्रिया और सहयोग के द्वारा घटित होता है।
कथन II : विगोत्स्की के अनुसार, स्केफोल्डिंग में विद्यार्थियों को किसी समस्या के सभी उत्तर एवं समाधान प्रदान करना शामिल है।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिएः

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

11 1661 Identify the advantages of open ended questions in survey research.

A. Respondents can answer in their own terms
B. They can be quickly administered by the interviewers
C. They allow unusual responses to be derived

Choose the correct answer from the options given below:

1. A and B only
2. B and C only
3. A and C only
4. A, B and C

सर्वेक्षण शोध में अबाध प्रश्नों के लाभों की पहचान कीजिएः

A. उत्तरदाता अपने स्वयं के पदों में उत्तर देते हैं।
B. वे साक्षात्कारकर्ताओं द्वारा शीघ्रता से किए जा सकते हैं।
C. वे असामान्य उत्तरों के व्युत्पन्न करने की अनुमति देते हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल A और B
2. केवल B और C
3. केवल A और C
4. A, B और C

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4: 4

4

Objective Question

12 1662

Given below are two statements :
Statement I : Online surveys are very useful because internet users always constitute an unbiased sample of the population
Statement II : A convenience sample is one that is simply available to the researcher by virtue of its accessibility
In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

नीचे दो कथन दिए गए हैः
कथन I : ऑनलाइन सर्वेक्षण बहुत उपयोगी होते है क्योंकि इंटरनेट प्रयोक्ता सदैव समष्टि के एक निष्पक्ष प्रतिदर्श को संघटित करते है।
कथन II : सुविधानुसार प्रतिदर्श वह प्रतिदर्श है जो उसकी सुलभता की विशेषता के कारण शोधकर्ता को सरलता से उपलब्ध हो जाता है।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिएः

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

13 1663

Scientific research is

A. Data driven
B. Replicable
C. Verifiable
D. Subjective

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. B, C and D only
3. B and D only
4. A, B, C and D

वैज्ञानिक शोध हैः

A. डाटा संचालित
B. अनुकृतीय
C. सत्यापनीय
D. व्यक्तिनिष्ठ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल B और D
4. A, B, C और D

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

14 1664

Which of the following typer of variables would have a true zero point?

1. Nominal
2. Ordinal
3. Interval
4. Ratio

निम्नलिखित चरों के प्रकारों में किसमें वास्तविक शून्य बिंदु होगा?

1. नामिक
2. क्रमसूचक
3. अंतराल
4. अनुपात

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

15 1665

According to UGC regulation 2018 on plagiarism, a similarity of 14% would correspond to which of the following levels of plagiarism?

1. 0
2. 1
3. 2
4. 3

साहित्यिक चोरी पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियमन 2018 के अनुसार 14% की समरूपता साहित्यिक चोरी के निम्नलिखित स्तरों में से कौन-र
स्तर की होगी?

1. 0
2. 1
3. 2
4. 3

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

16 1666

Communication about communication is called -

1. Communication narrative
2. Communication overlay
3. Metacognition
4. Metacommunication

संचार के बारे में संचार को क्या कहा जाता है?

1. संचार वृत्तांत
2. संचार अधिव्याप्ति
3. अधिसंज्ञान
4. अधिसंचार

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

17 1667

Condensation symbols in political communication are -

1. Dormant
2. Evocative
3. Weak assumptions
4. Escapist

राजनीतिक संचार में संघनन प्रतीक

1. सुसुप्त होते हैं।
2. आह्वान परक होते हैं।
3. निर्बल अवधारणाएँ होती हैं।
4. पलायनवादी होते हैं।

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

18 1668

Which of the following are the major criticisms of mass media as a cultural industry?

A. Mass media are pro-people.
B. Products of culture industry are standardised.
C. The productions are devoid of aesthetic merit.
D. The culture industry does uniform mass production.
E. Avoids massification of culture.

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B, C only
2. B, C, D only
3. C, D, E ony
4. A, D, E only

निम्नलिखित में कौन-सी सांस्कृतिक उद्योग के रूप में जनसंचार मीडिया की प्रमुख समालोचनायें हैं?

A. जनसंचार मीडिया जनसमर्थक होते हैं।
B. सांस्कृतिक उद्योग के उत्पाद मानकीकृत होते हैं।
C. उत्पादनों में सौंदर्यबोधक गुणों का अभाव होता है।
D. सांस्कृतिक उद्योग एकसमान जनउत्पादन करता है।
E. संस्कृति के जनसमूहीकरण से बचता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B, C
2. केवल B, C, D
3. केवल C, D, E
4. केवल A, D, E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

19 1669

Given below are two statements :
Statement I : The Buddhists argue that reality should be understood as a linguistic construct.
Statement II : In today's context, we can say that reality is a media construct.
In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below :

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

नीचे दो कथन दिए गए हैः
कथन I : बौद्ध धर्मावलंबियों का तर्क है कि यथार्थ को भाषायी निर्मिति के रूप में समझा जाना चाहिए।
कथन II : आज के संदर्भ में हम कह सकते हैं कि यथार्थ मीडिया की निर्मिति है।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

20 1670

Given below are two statements :
Statement I : There is an argument that the emergance of television audiences has brought in more personalised and interactive communication and media culture
Statement II : Within an integrated communication system, messages do not acquire the elements of communicability and socialisation.
In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below :

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

नीचे दो कथन दिए गए हैः
कथन I : एक तर्क है कि टेलिविजन श्रोताओं के आगमन से अधिक व्यक्तिपरक और संवादपरक संचार तथा मीडिया संस्कृति का प्रादुर्भाव हुआ है।
कथन II : किसी एकीकृत संचार प्रणाली के भीतर संदेशों में संचारणियता और सामाजीकरण के तत्त्वों का अभाव होता है।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

21 1671

A man X, can complete $\frac{1}{3}$ of a job in 5 days and another man Y can complete $\frac{2}{5}$ of the job in 10 days. In how many days both X & Y together can complete the job?

1. $9\frac{3}{8}$
2. $8\frac{3}{8}$
3. $9\frac{3}{5}$
4. $7\frac{7}{9}$

एक व्यक्ति X किसी कार्य के $\frac{1}{3}$ भाग को 5 दिनों में पूरा कर सकता है और दूसरा व्यक्ति Y, कार्य के $\frac{2}{5}$ भाग को 10 दिनों में पूरा कर सकता है। X और Y दोनों मिलकर उस कार्य को कितने दिनों में पूरा कर सकते हैं

1. $9\frac{3}{8}$
2. $8\frac{3}{8}$
3. $9\frac{3}{5}$
4. $7\frac{7}{9}$

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

22 1672

Five years ago the average age of 4 persons A, B, C and D was 45 years. If another person E is included in the group, then the present average age of all the five persons becomes 49 years. What is the present age of E?

1. 45 years
2. 50 years
3. 43 years
4. 48 years

चार व्यक्तियों A, B, C और D की औसत आयु पाँच वर्ष पूर्व 45 वर्ष थी। यदि समूह में एक दूसरा व्यक्ति E शामिल किया जाता है, तो सभी पाँच व्यक्तियं की वर्तमान आयु का औसत 49 वर्ष हो जाता है। E की वर्तमान आयु कितनी है?

1. 45 वर्ष
2. 50 वर्ष
3. 43 वर्ष
4. 48 वर्ष

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

23 1673

Find the number that can replace question mark (?) in the series given below -

–1, 0, 3, 8, 15, 24?

1. 35
2. 49
3. 39
4. 23

नीचे दी गयी श्रृंखला में उस संख्या को ज्ञात कीजिए जो प्रश्नवाचक चिह्न को प्रतिस्थापित कर सकती है?

–1, 0, 3, 8, 15, 24?

1. 35
2. 49
3. 39
4. 23

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

24 1674

A student walks 1 km in the east direction, then turns to the south and walks 5 km. Thereafter, he turns to east and walks 2 km and again turns to north and walks for 9 km. How far is the student from his starting point?

1. 5 km
2. 7 km
3. 6 km
4. 6.5 km

एक विद्यार्थी पूरब की दिशा में 1 कि.मी. चलता है, फिर वह दक्षिण की ओर मुड़ता है और 5 कि.मी. चलता है। इसके बाद फिर वह पूरब की ओर मुड़ता है और 2 कि.मी. चलता है और पुनः उत्तर की ओर मुड़ता है और 9 कि.मी. जाता है। अपने प्रारंभिक बिंदु से विद्यार्थी अब कितनी दूरी पर है?

1. 5 कि.मी.
2. 7 कि.मी.
3. 6 कि.मी.
4. 6.5 कि.मी.

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

25 1675

In a certain coding language

a. 'MANGO' is coded as 4
b. 'BANANA' is coded as 5
c. 'PEAR' is coded as 3

How 'MUSKMELON' shall be coded in that language?

1. 9
2. 8
3. 7
4. 6

किसी कूट भाषा में:

a. 'MANGO' को 4 के रूप में कूटबद्ध किया जाता है।
b. 'BANANA' को 5 के रूप में कूटबद्ध किया जाता है।
c. 'PEAR' को 3 के रूप में कूटबद्ध किया जाता है।

उसी भाषा में 'MUSKMELON' को कैसे कूटबद्ध किया जाएगा?

1. 9
2. 8
3. 7
4. 6

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

26 1676

Which of the following statements are so related that if one of them is true, the other must be false, even though both of them can be false

A. Some adults are far-sighted
B. No adults are far-sighted
C. All adults are far-sighted
D. Some adults are not far-sighted

Choose the correct answer from the options given below:

1. A and D only
2. C and D only
3. A and B only
4. B and C only

निम्नलिखित में से कौन कौन से कथन आपस में इस प्रकार संबंधित हैं कि यदि एक सत्य हो तो दूसरा अवश्य गलत होगा, यद्यपि यद्यपि दोनों गलत हो सकते हैं?

A. कुछ वयस्क दूर-दर्शी होते हैं।
B. कोई भी वयस्क दूर-दर्शी नहीं होते हैं।
C. सभी वयस्क दूर-दर्शी होते हैं।
D. कुछ वयस्क दूर-दर्शी नहीं होते हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल A और D
2. केवल C और D
3. केवल A और B
4. केवल B और C

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

27 1677

If the statement-"Some trucks are polluting vehicles", is given as true, which of the following statements could be immediately inferred to be false?

A. All trucks are polluting vehicles
B. Some trucks are non-polluting vehicles
C. Some trucks are not polluting vehicles
D. No trucks are polluting vehicles

Choose the correct answer from the options given below:

1. C and D only
2. B and C only
3. D only
4. B, C and D only

यदि कथन "कुछ ट्रक प्रदूषण करने वाले वाहन होते है" सत्य है तो निम्नलिखित में से किन कथनों के गलत होने का तुरंत अनुमान लगाया जा सकता है।

A. सभी ट्रक प्रदूषणकारी वाहन होते हैं।
B. कुछ ट्रक गैर-प्रदूषणकारी वाहन होते हैं।
C. कुछ ट्रक प्रदूषणकारी वाहन नहीं होते हैं।
D. कोई भी ट्रक प्रदूषणकारी वाहन नहीं होते हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल C और D
2. केवल B और C
3. केवल D
4. केवल B, C और D

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

28 1678 Which of the following statements is equivalent to the following statement- "All philosophers are non-conservatives?"

1. Some philosophers are not conservatives.
2. No philosophers are conservatives.
3. Some philosophers are conservatives.
4. All non-conservatives are philosophers.

निम्नलिखित में से कौन सा कथन "सभी दार्शनिक गैर-रुढ़िवादी होते हैं" कथन के समतुल्य है?

1. कुछ दार्शनिक रुढ़िवादी नहीं होते है।
2. कोई भी दार्शनिक रुढ़िवादी नहीं होते हैं
3. कुछ दार्शनिक रुढ़िवादी होते है
4. सभी गैर-रुढ़िवादी दार्शनिक होते है

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

29 1679

"No one has shown that Mars was not created by the Aliens. Therefore, Mars is actually created by the Aliens". Which fallacy is involved in the above statement?

1. Red Herring
2. Hasty Generalisation
3. Appeal to Ignorance
4. Begging the Question

"किसी ने यह नहीं दिखलाया है कि मंगल ग्रह परग्रहियों द्वारा निर्मित नहीं किया गया था। इसलिए, मंगल ग्रह वास्तव में परग्रहियों द्वारा निर्मित किया गया है।" उपरोक्त कथन में कौन-सा तर्क दोष है?

1. भ्रामक संकेत (रेड हेरिंग)
2. अविचारी सामान्यीकरण
3. अनभिज्ञता का आग्रह
4. आत्माश्रय दोष

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

30 1680

Given below are two statements :
Statement I : Aristotelian logic is verbalistic.
Statement II : For the classical Indian school of logic (nyaya) verbal form is not the essence of inference and is required only to convince others.
In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below :

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

नीचे दो कथन दिए गए हैः
कथन I : अरस्तू का तर्क शाब्दिक है।
कथन II : भारतीय शास्त्रीय तर्क-मत (न्याय) के लिये शाब्दिक रूप अनुमान का सार नहीं है और दूसरों को समझाने के लिए ही इसकी आवश्यकता होत है।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं|
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं|
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है|
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है|

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

31 1681

Which of the following pairs shows an internet service and its corresponding protocol, correctly matched?

1. www - FTP
2. E-mail - SMTP
3. E-mail - FTP
4. File Transfer - SMTP

निम्नलिखित कौन-सा युग्म इंटरनेट सेवा और इससे संगत प्रोटोकॉल को सही ढंग से सुमेलित दर्शाता है?

1. डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू - एफटीपी
2. ईमेल - एसएमटीपी
3. ई-मेल - एफटीपी
4. फाइल स्थानान्तरण (ट्रांसफर) - एसएमटीपी

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

32 1682

In the following MS-Excel spreadsheet, you are given a list of 100 customers. Column 'A' represents their names, 'B' is for customer category, 'C' for payment category (0 means discounted price and 1 means full price), 'D' indicates price that customer pays. The example spreadsheet below is not the actual list and simply shows different categories.

	A	B	C	D
1	Customer Name	Customer Category	Payment Category	Price (Rs.)
2	Raman	Child	0	0
3	Dinesh	Adult	1	5
4	Jashan	Adult	0	2
:	:	:	:	:
101	Amit	Child	0	0

Which of the following formula would indicate the total amount paid by customers who are adults but do not get discounted price?

1. = SUMIFS (D2 : D101, B2 : 101, = Adult, C2 : C101, =1)
2. = SUMIFS (B2 : B101," = Adult", C2 : C101, "=1", D2 : D101)
3. = SUM (D2 : D101)
4. = SUMIFS (D2 : D101, B2 : B101, " = Adult", C2 : C101, "=1")

निम्नलिखित MS-EXCEL स्प्रेडशीट में 100 ग्राहकों की सूची दी गई है। स्तंभ 'A' में नाम, 'B' में ग्राहक श्रेणी, 'C' में भुगतान श्रेणी (0 का अर्थ है छूट प्राप्त कीमत और 1 का अर्थ है - पूरी कीमत) प्रस्तुत है, 'D' में वह कीमत दी गई है जिसका ग्राहक भुगतान करता है। नीचे दी गई स्प्रेडशीट के उदाहरण में वास्तविक सूची नहीं है और यह भिन्न श्रेणियों को प्रदर्शित करता है।

	A	B	C	D
1	ग्राहक के नाम	ग्राहक श्रेणी	भुगतान श्रेणी	कीमत (रु.)
2	रमन	बालक	0	0
3	दिनेश	वयस्क	1	5
4	जशन	वयस्क	0	2
:	:	:	:	:
101	अमित	बालक	0	0

निम्नलिखित में कौन-सा सूत्र वयस्क ग्राहकों द्वारा भुगतान की गई कुल राशि प्रदर्शित करता है जिन्होंने छूट प्राप्त कीमत पर भुगतान नहीं किया हैं?

1. = SUMIFS (D2 : D101, B2 : 101, = Adult, C2 : C101, =1)
2. = SUMIFS (B2 : B101," = Adult", C2 : C101, "=1", D2 : D101)
3. = SUM (D2 : D101)
4. = SUMIFS (D2 : D101, B2 : B101, " = Adult", C2 : C101, "=1")

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

33 1683

Given below are two statements :
Statement I : The www is the largest computer network in the world, with millions of computers connected to each other.
Statement II : Web pages are stored on web servers, which are always connected to the Internet so that people can view their pages 24 hours a day.
In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

नीचे दो कथन दिए गए हैः
कथन I : WWW विश्व का व्यापकतम कम्प्यूटर नेटवर्क है जिसमें लाखों (मिलियन्स) कम्प्यूटर एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।
कथन II : वेब सर्वरों पर वेब पेज संग्रहित होते हैं जो सदैव इंटरनेट से जुड़े होते हैं ताकि लोग 24 घंटे दिन भर अपने वेब पेज देख सकते है।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

34 1684

Identify the correct order of the words A - D given below to complete the paragraph about internet security.

Illegal access to a computer system is known as _________. _________ are programs that self-replicate and are designed to disrupt computer systems. _________ is where a user is sent legitimate looking emails; as soon as the email is opened and the recipient clicks on the embedded link, they are sent to a fake website. Software that monitors key presses on a user's keyboard, and relays the information back to the person who sent the software, is known as _________.

A. Phishing
B. Hacking
C. Spyware
D. Viruses

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, D, B, C
2. B, A, D, C
3. B, D, A, C
4. C, D, A, B

इंटरनेट सुरक्षा के बारे में नीचे दिए गए अनुच्छेद को पूरा करने हेतु शब्दों A-D के सही क्रम की पहचान कीजिएः

कम्प्यूटर सिस्टम में अनधिकृत अभिगम को _______ के रूप में जाना जाता है_________ वो प्रोग्राम हैं जो स्व-प्रतिकृति हैं और कम्प्यूटर सिस्टम को बाधित करते हैं। _______ वह है जहाँ एक प्रयोक्ता को वैद्य ई-मेल भेजा जाता है, ज्यों ही ई-मेल खोला जाता है और प्राप्तकर्ता दिए गए लिंक पर क्लिक करता है उन्हें जाली वेबसाइट भेज दिया जाता है। वह साफ्टवेयर, जो प्रयोक्ता की की-बोर्ड पर की दबाने को मानीटर करता है, और उस व्यक्ति को वापस सूचना प्रसारित करता है जिसने साफ्टवेयर भेजा था, इसे ______ कहा जाता है।

A. फिशिंग
B. हैकिंग
C. स्पाईवेयर
D. वायरस

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. A, D, B, C
2. B, A, D, C
3. B, D, A, C
4. C, D, A, B

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

35 1685

Match List I with List II

LIST I (Description)		LIST II (Internet Techinical Term)	
A.	Numerical ID of 32-bit or 128-bit device on the internet	I.	Virtualization
B.	Unique ID for a network interface card (NIC)	II.	MAC address
C.	An arrangement whereby a user remotely accesses software, hardware, or other resources via a browser	III.	IP address
D.	The process of running multiple machines on one physical server	IV.	Cloud Computing

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-III, B-IV, C-II, D-I
2. A-I, B-II, C-IV, D-III
3. A-II, B-III, C-IV, D-I
4. A-III, B-II, C-IV, D-I

सूची I के साथ सूची II का मिलान कीजिए

	सूची I (विवरण)		सूची II (इंटरनेट तकनीकी शब्द)
A.	इंटरनेट पर प्रत्येक डिवाइस के लिए 32 बिट अथवा 128 बिट की सांख्यिकीय आईडी	I.	अमूर्तीकरण (वर्चुअलाइजेशन)
B.	नेटवर्क इंटरफेस कार्ड हेतु विशिष्ट आईडी	II.	एमएसी एड्रेस
C.	एक व्यवस्था जिसमें किसी प्रयोक्ता की ब्राउजर के माध्यम से सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर अथवा अन्य संसाधनों तक दूरवर्ती पहुँच (सुगमता) होती है।	III.	आईपी एड्रेस
D.	एक भौतिक सर्वर पर अनेक मशीनों को संचालित करने की प्रक्रिया	IV.	क्लाउड कम्प्युटिंग

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. A-III, B-IV, C-II, D-I
2. A-I, B-II, C-IV, D-III
3. A-II, B-III, C-IV, D-I
4. A-III, B-II, C-IV, D-I

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

36	1686

Which among the following are sources of Volatile Organic Compounds (VOCs)?

A. Vehicles
B. Plants
C. Termites
D. Power Plants
E. Bogs

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A and D only
2. A, B and D only
3. A, B, D and E only
4. A, B, C, D and E

वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (VOCs) के स्रोत निम्नलिखित में से कौन से हैं?

A. वाहन
B. पादप
C. दीमक
D. विद्युत संयंत्र
E. दलदल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल A और D
2. केवल A, B और D
3. केवल A, B, D और E
4. A, B, C, D और E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

37 1687

pH, an important water quality parameter,

A. is a measure of acidity on water.
B. is a mesure of basicity in water.
C. can have value only upto 10.
D. represents the concentration of hydrogen ion.
E. whose value '0' (zero) confirms that water is potable.

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A, C and E only
2. A, B and D only
3. C, D and E only
4. B, C and E only

एक महत्वपूर्ण जल गुणवत्ता प्राचल पीएच (pH) :

A. जल में अम्लता की माप है।
B. जल में क्षारकता की माप है।
C. का मान 10 तक हो सकता है।
D. हाइड्रोजन आयनों की सान्द्रता को प्रस्तुत करता है।
E. का मान यदि शून्य (0) हैं तो यह पुष्टि होती है कि जल पीने योग्य है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल A, C और E
2. केवल A, B और D
3. केवल C, D और E
4. केवल B, C और E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

38 1688

Given below are two statements :
Statement I : Recycling drastically reduces pressure on landfills and incinerators.
Statement II : Recycling increases demands for raw resources.
In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below :

1. Both Statement I and Statement II are true
2. Both Statement I and Statement II are false
3. Statement I is true but Statement II is false
4. Statement I is false but Statement II is true

नीचे दो कथन दिए गए हैः
कथन I : पुनर्चक्रण की वजह से कचरा-भराई स्थलों और भस्मकों पर होने वाले दबाव में अत्यन्त कमी आती है।
कथन II : पुनर्चक्रण की वजह से अशोधित संसाधनों की मांग बढ़ती है।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

39 1689 Chlorofluorocarbons (CFCs), important green house gases,

A. are toxic
B. vaporize just below room temperature
C. are flamable
D. are very stable
E. destroy ozone

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. B, C and D only
3. B, D and E only
4. C, D and E only

क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFCs), महत्वपूर्ण ग्रीन हाउस गैसें,

A. विषाक्त होती हैं।
B. कमरे के तापमान से नीचे तापमान में वाष्पित हो जाती हैं।
C. ज्वलनशील होती हैं।
D. बहुत स्थिर होती हैं।
E. ओजोन को नष्ट करती है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल B, D और E
4. केवल C, D और E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

40 1690

Given below are two statements : One is lebelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion A : In concentrating type solar collector temperature can be raised upto 500°C.

Reason R : In concentrating type solar collector, the magnitudes of collector area and absorber area are numerically same.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :

1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are correct but R is not the correct explanation of A
3. A is correct but R is not correct
4. A is not correct but R is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रुप में:
अभिकथन A : सकेंद्रित प्रकार के सौर संग्रहक में तापमान को 500° सेंटीग्रेड तक बढ़ाया जा सकता है।
कारण R : सकेंद्रित प्रकार के सौर संग्रहक में संग्रहक क्षेत्र और अवशोषक क्षेत्र के परिमाण संख्यात्मक दृष्टि से समान होते हैं।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है लेकिन R असत्य है
4. A असत्य है लेकिन R सत्य है

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

41 1691 In the earlier days of higher education in India, the focus was mostly on disciplines of

1. Agriculture
2. Medicine
3. Arts
4. Law

भारत में उच्चतर शिक्षा के प्रारंभिक काल में अधिकांशतः किन विषयों पर ध्यान दिया गया था?

1. कृषि
2. चिकित्सा
3. कला
4. विधि

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

42 1692 What were the initiatives during the second five year plan to improve technical education in India?

A. Closure of non-performing engineering colleges
B. Establishment of IIT at Madras
C. Schemes for improvement of existing technical institutions
D. Stipend-based training programme for outstanding students at select technical institutions in the country
E. Plan to establish a central institute for printing technology.

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B, C only
2. A, C, D only
3. A, B, E only
4. B, C, D, E only

भारत में तकनीकी शिक्षा में सुधार करने के लिए द्वितीय पंचवर्षीय योजना के दौरान क्या-क्या पहल की गई थी?

A. गैर-निष्पादनकारी इन्जीनियरिंग कॉलेजों को बंद करना।
B. मद्रास में आई.आई.टी. की स्थापना।
C. मौजूदा तकनीकी संस्थानों के सुधार की योजनाएँ।
D. देश में चुनिंदा तकनीकी संस्थानों में पढ़नेवाले उत्कृष्ट छात्रों के लिए छात्रवृत्ति प्रशिक्षण कार्यक्रम आधारित।
E. मुद्रण प्रौद्योगिकी के लिए केंद्रीय संस्थान स्थापित करने की योजना।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B, C
2. केवल A, C, D
3. केवल A, B, E
4. केवल B, C, D, E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

43 1693

Given below are two statements :
Statement I : The idea of abolition of regulatory bodies of education like UGC, AICIE and NCTE is based on the assumption that such multiple bodes are redundant.
Statement II : The Bar Council of India has opposed the idea of abolition of regulatory bodies as it would affect its role as the apex regulatory body of legal professionals in India
In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below :

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

नीचे दो कथन दिए गए है:
कथन I : यूजीसी, ए.आई.सी.टी.ई और एन.सी.टी.ई. जैसे शिक्षा के नियामक निकायों के उन्मूलन का विचार इस अवधारणा पर आधारित है कि ऐसे बहुल निकाय अनावश्यक है।
कथन II : बार काउन्सिल ऑफ इंडिया ने नियामक निकायों का उन्मूलन करने के विचार का विरोध किया था क्योंकि इससे भारत में विविध व्यवसायिको की प्रमुख नियामक निकाय के रूप में इसकी भूमिका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं|
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं|
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है|
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है|

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

44 1694

At which of the following ancient place of higher learning did the famous royal physician Jivaka, who had cured the king Bimbisara study?

1. Takshashila
2. Kanchi
3. Jayender Vihar
4. Vallabhi

निम्नलिखित में से किस प्राचीन उच्चतर शिक्षण संस्थान से प्रसिद्ध शाही चिकित्सक जिवक, जिसने सम्राट बिम्बसार का उपचार किया था, ने शिक्षा प्राप्त की थी?

1. तक्षशिला
2. कांची
3. जयेन्दर विहार
4. वल्लभी

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

45 1695

Who among the following enunciated a new policy on agriculture and created a central institute at Pusa?

1. Loard Ripon
2. Lord Lensdowne
3. Lord Curzon
4. Lord Linlithgow

निम्नलिखित में से किसने कृषि पर एक नई नीति प्रतिपादित की और पूसा में केंद्रीय संस्थान का निर्माण किया?

1. लॉर्ड रिपन
2. लॉर्ड लैन्सडाउन
3. लॉर्ड कर्जन
4. लॉर्ड लिनलिथगो

A1: 1

1

A2: 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

46 1696 Read the passage and answer the questions that follow:

Earlier this week, European Union (EU) lawmakers laid the groundwork for the rollout of its proposed carbon border adjustment mechanism from 2026. Essentially a carbon border tax, it is shrouded in green principles of pricing carbon, reducing emissions and preventing carbon leakage to combat global warming. But in reality it is nothing but a tax against emerging economies like India exporting to the EU. Trure, the European bloc has ambitious climate targets of cutting greenhouse gases by 55% over this decade and seeks to withdraw free carbon allowances for its most polluting industries. However, by targetting imports of carbon-intensive goods sucl as aluminium, steel, cement, fertilisers and electricity it is imposing European emission standards on emerging economies.

This is a clear violation of the principle of common but differentiated responsibilities of international climate action. The rich countries o: the global north bear historic responsibility for global warming. But after having achieved a high standard of living through centuries of polluting industries, they now want to slam the development door shut on the rest of the world. Further exemplifying this hypocrisy is the fact that when the Ukraine war pushed up energy prices last year, EU nations had no qualms falling back on dirty coal.

Plus, rich nations have done little to mobilise the targeted $100 billion for climate funding to help developing nations transition to low-carbon pathways. Thus, India is right to object to the EU carbon tax. It should prepare retaliatory measures, including taking the matter to World Trade Organization (WTO) and flagging it as a non-tariff barrier.

European union's carbon border tax will come into effect.

1. From 2030
2. Immediatley
3. After a decade
4. From 2026

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिएः

इस सप्ताह के पहले यूरोपीय संघ के विधि निर्माताओं ने वर्ष 2026 से अपने प्रस्तावित कार्बन सीमांत समायोजन कार्यविधि को लागू करने के लिए आधारकार्य किया। आवश्यक रूप से कार्बन सीमांत शुल्क भूमंडलीय उष्मण का सामना करने हेतु कार्बन की कीमत तय करने, उत्सर्जन कम करने औ कार्बन रिसाव को रोकने के कार्यो के हरित सिद्धांतो से परिच्छदित है, परन्तु वास्तविक रूप में यह कुछ नहीं है बल्कि यूरोपीय संघ को निर्यात करने वाले भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के विरुद्ध एक शुल्क है। यह सही है कि यूरोपीय संघ ने इस दशक में ग्रीन हाउस गैसों विकास के दरवाज़े बंद करना चाहते हैं। आगे, इस पाखंड का स्पष्ट उदाहरण यह तथ्य है कि जब पिछले वर्ष उक्रेन युद्ध से ऊर्जा की कीमतो में वृद्धि हुयी तो यूरोपीय संघ ने पुनः प्रदूषक कोयले के इस्तेमाल में कोई संशय नहीं किया था।

इसके अलावा, समृद्ध देशों ने निम्न कार्बन के तरीके / मार्ग अपनाने हेतु परिवर्तन के लिए विकासशील देशों की सहायता करने हेतु जलवायु निधिपोषण के लिए लक्षित 100 बिलियन डालर ($) जुटाने के लिए कुछ नहीं किया है। अंतः भारत द्वारा यूरोपीय संघ कार्बन शुल्क पर आपत्ति करना सही कदम है। इसे विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू टी ओ) के सम्मुख इस मामले को रखने और गैर-शुल्क बाधा के रूप में इसे उठाने के साथ प्रतिकारी उपायों से तत्पर रहना चाहिये। में 55% की कटौती करने के महत्वकांक्षी जलवायु लक्ष्य को निर्धारित किया है, और सर्वाधिक प्रदूषण पैदा करने वाले अपने उद्योगों के कार्बनमुक्त भत्तों को वापस लेना चाहता है। यद्यपि, अल्युमीनियम, स्टील / इस्पात, सीमेंट, उर्वरकों तथा विद्युत जैसी वस्तुओं के आयातों को लक्ष्यित करते हुए उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर यूरोपीय उत्सर्जन मानकों को थोपा जा रहा है। यह अंतर्राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई के साझा व विभेदित दायित्व के सिद्धान्त का स्पष्ट उल्लंघन है। भूमंडल के उत्तर के समृद्ध देशों का भूमंडलीय उष्मण का ऐतिहासिक दायित्व है। परन्तु उत्तरी भूमंडलीय समृद्ध देश शताब्दियों से प्रदूषणकारी उद्योगों द्वारा उच्च जीवन स्तर प्राप्त करने के बाद अब विश्व के शेष देशों के प्रतिकारी उपायों से तत्पर रहना चाहिये|

यूरोपीय संघ का कार्बन सीमांत शुल्क कब से लागू होगा?

1. वर्ष 2030 से
2. तत्काल
3. एक दशक के बाद
4. वर्ष 2026 से

A1 : 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

47 1697

Read the passage and answer the questions that follow:

Earlier this week, European Union (EU) lawmakers laid the groundwork for the rollout of its proposed carbon border adjustment mechanism from 2026. Essentially a carbon border tax, it is shrouded in green principles of pricing carbon, reducing emissions and preventing carbon leakage to combat global warming. But in reality it is nothing but a tax against emerging economies like India exporting to the EU. Trure, the European bloc has ambitious climate targets of cutting greenhouse gases by 55% over this decade and seeks to withdraw free carbon allowances for its most polluting industries. However, by targetting imports of carbon-intensive goods sucl as aluminium, steel, cement, fertilisers and electricity it is imposing European emission standards on emerging economies.

This is a clear violation of the principle of common but differentiated responsibilities of international climate action. The rich countries o: the global north bear historic responsibility for global warming. But after having achieved a high standard of living through centuries of polluting industries, they now want to slam the development door shut on the rest of the world. Further exemplifying this hypocrisy is the fact that when the Ukraine war pushed up energy prices last year, EU nations had no qualms falling back on dirty coal.

Plus, rich nations have done little to mobilise the targeted $100 billion for climate funding to help developing nations transition to low-carbon pathways. Thus, India is right to object to the EU carbon tax. It should prepare retaliatory measures, including taking the matter to World Trade Organization (WTO) and flagging it as a non-tariff barrier.

The amlitions climate targets of the European bloc aim to

A. Withdraw free corbon allowances for its most polluting industries
B. Reduce emessions
C. Prevent carbon leakage
D. Use coal when energy prices rise

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B and D only
2. B and C only
3. C and D only
4. A, B and C only

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिएः

इस सप्ताह के पहले यूरोपीय संघ के विधि निर्माताओं ने वर्ष 2026 से अपने प्रस्तावित कार्बन सीमांत समायोजन कार्यविधि को लागू करने के लिए आधारकार्य किया। आवश्यक रूप से कार्बन सीमांत शुल्क भूमंडलीय उष्मण का सामना करने हेतु कार्बन की कीमत तय करने, उत्सर्जन कम करने औ कार्बन रिसाव को रोकने के कार्यो के हरित सिद्धांतो से परिच्छदित है, परन्तु वास्तविक रूप में यह कुछ नहीं है बल्कि यूरोपीय संघ को निर्यात करने वाले भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के विरुद्ध एक शुल्क है। यह सही है कि यूरोपीय संघ ने इस दशक में ग्रीन हाउस गैसों विकास के दरवाज़े बंद करना चाहते हैं। आगे, इस पाखंड का स्पष्ट उदाहरण यह तथ्य है कि जब पिछले वर्ष उक्रेन युद्ध से ऊर्जा की कीमतो में वृद्धि हुयी तो यूरोपीय संघ ने पुनः प्रदूषक कोयले के इस्तेमाल में कोई संशय नहीं किया था।

इसके अलावा, समृद्ध देशों ने निम्न कार्बन के तरीके / मार्ग अपनाने हेतु परिवर्तन के लिए विकासशील देशों की सहायता करने हेतु जलवायु निधिपोषण के लिए लक्षित 100 बिलियन डालर ($) जुटाने के लिए कुछ नहीं किया है। अंतः भारत द्वारा यूरोपीय संघ कार्बन शुल्क पर आपत्ति करना सही कदम है। इसे विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू टी ओ) के सम्मुख इस मामले को रखने और गैर-शुल्क बाधा के रूप में इसे उठाने के साथ प्रतिकारी उपायों से तत्पर रहना चाहिये। में 55% की कटौती करने के महत्वकांक्षी जलवायु लक्ष्य को निर्धारित किया है, और सर्वाधिक प्रदूषण पैदा करने वाले अपने उद्योगों के कार्बनमुक्त भत्तों को वापस लेना चाहता है। यद्यपि, अल्युमीनियम, स्टील / इस्पात, सीमेंट, उर्वरकों तथा विद्युत जैसी वस्तुओं के आयातों को लक्ष्यित करते हुए उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर यूरोपीय उत्सर्जन मानकों को थोपा जा रहा है। यह अंतर्राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई के साझा व विभेदित दायित्व के सिद्धान्त का स्पष्ट उल्लंघन है। भूमंडल के उत्तर के समृद्ध देशों का भूमंडलीय उष्मण का ऐतिहासिक दायित्व है। परन्तु उत्तरी भूमंडलीय समृद्ध देश शताब्दियों से प्रदूषणकारी उद्योगों द्वारा उच्च जीवन स्तर प्राप्त करने के बाद अब विश्व के शेष देशों के प्रतिकारी उपायों से तत्पर रहना चाहिये|

यूरोपीय गुट के महत्वाकांक्षी जलवायु लक्ष्यों के उद्देश्य कौन-कौन से है?

A. अपने सर्वाधिक प्रदूषण पैदा करने वाले उद्योगों के कार्बनमुक्त भत्तों को वापस लेना
B. उत्सर्जन कम करना
C. कार्बन रिसाव कम करना
D. ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि होने पर कोयले का प्रयोग करना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल A, B और D
2. केवल B और C
3. केवल C और D
4. केवल A, B, C

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

48	1698	

Read the passage and answer the questions that follow:

Earlier this week, European Union (EU) lawmakers laid the groundwork for the rollout of its proposed carbon border adjustment mechanism from 2026. Essentially a carbon border tax, it is shrouded in green principles of pricing carbon, reducing emissions and preventing carbon leakage to combat global warming. But in reality it is nothing but a tax against emerging economies like India exporting to the EU. Trure, the European bloc has ambitious climate targets of cutting greenhouse gases by 55% over this decade and seeks to withdraw free carbon allowances for its most polluting industries. However, by targetting imports of carbon-intensive goods sucl as aluminium, steel, cement, fertilisers and electricity it is imposing European emission standards on emerging economies.

This is a clear violation of the principle of common but differentiated responsibilities of international climate action. The rich countries o: the global north bear historic responsibility for global warming. But after having achieved a high standard of living through centuries of polluting industries, they now want to slam the development door shut on the rest of the world. Further exemplifying this hypocrisy is the fact that when the Ukraine war pushed up energy prices last year, EU nations had no qualms falling back on dirty coal.

Plus, rich nations have done little to mobilise the targeted $100 billion for climate funding to help developing nations transition to low-carbon pathways. Thus, India is right to object to the EU carbon tax. It should prepare retaliatory measures, including taking the matter to World Trade Organization (WTO) and flagging it as a non-tariff barrier.

Given below are two statements :
Statement I : The European block seeks to impose European emission standards on emerging economics
Statement II : Rich nations are helping the developing nations transition to low-carbon pathways through climate funding.
In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below :

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

इस सप्ताह के पहले यूरोपीय संघ के विधि निर्माताओं ने वर्ष 2026 से अपने प्रस्तावित कार्बन सीमांत समायोजन कार्यविधि को लागू करने के लिए आधारकार्य किया। आवश्यक रूप से कार्बन सीमांत शुल्क भूमंडलीय उष्मण का सामना करने हेतु कार्बन की कीमत तय करने, उत्सर्जन कम करने औ कार्बन रिसाव को रोकने के कार्यो के हरित सिद्धांतो से परिच्छदित है, परन्तु वास्तविक रूप में यह कुछ नहीं है बल्कि यूरोपीय संघ को निर्यात करने वाले भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के विरुद्ध एक शुल्क है। यह सही है कि यूरोपीय संघ ने इस दशक में ग्रीन हाउस गैसों विकास के दरवाज़े बंद करना चाहते हैं। आगे, इस पाखंड का स्पष्ट उदाहरण यह तथ्य है कि जब पिछले वर्ष उक्रेन युद्ध से ऊर्जा की कीमतो में वृद्धि हुयी तो यूरोपीय संघ ने पुनः प्रदूषक कोयले के इस्तेमाल में कोई संशय नहीं किया था।

इसके अलावा, समृद्ध देशों ने निम्न कार्बन के तरीके / मार्ग अपनाने हेतु परिवर्तन के लिए विकासशील देशों की सहायता करने हेतु जलवायु निधिपोषण के लिए लक्षित 100 बिलियन डालर ($) जुटाने के लिए कुछ नहीं किया है। अंतः भारत द्वारा यूरोपीय संघ कार्बन शुल्क पर आपत्ति करना सही कदम है। इसे विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू टी ओ) के सम्मुख इस मामले को रखने और गैर-शुल्क बाधा के रूप में इसे उठाने के साथ प्रतिकारी उपायों से तत्पर रहना चाहिये। में 55% की कटौती करने के महत्वकांक्षी जलवायु लक्ष्य को निर्धारित किया है, और सर्वाधिक प्रदूषण पैदा करने वाले अपने उद्योगों के कार्बनमुक्त भत्तों को वापस लेना चाहता है। यद्यपि, अल्युमीनियम, स्टील / इस्पात, सीमेंट, उर्वरकों तथा विद्युत जैसी वस्तुओं के आयातों को लक्ष्यित करते हुए उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर यूरोपीय उत्सर्जन मानकों को थोपा जा रहा है। यह अंतर्राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई के साझा व विभेदित दायित्व के सिद्धान्त का स्पष्ट उल्लंघन है। भूमंडल के उत्तर के समृद्ध देशों का भूमंडलीय उष्मण का ऐतिहासिक दायित्व है। परन्तु उत्तरी भूमंडलीय समृद्ध देश शताब्दियों से प्रदूषणकारी उद्योगों द्वारा उच्च जीवन स्तर प्राप्त करने के बाद अब विश्व के शेष देशों के प्रतिकारी उपायों से तत्पर रहना चाहिये।

नीचे दो कथन दिए गए है:
कथन I : यूरोपीय गुट उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर यूरोपीय उत्सर्जन मानकों को थोपना चाहता है।
कथन II : समृद्ध राष्ट्र जलवायु निधि पोषण द्वारा निम्न कार्बन के मार्ग के अपनाने हेतु परिवर्तन के लिए विकासशील देशों की सहायता कर रहे हैं।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

A1 : 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

49 1699

Read the passage and answer the questions that follow:

Earlier this week, European Union (EU) lawmakers laid the groundwork for the rollout of its proposed carbon border adjustment mechanism from 2026. Essentially a carbon border tax, it is shrouded in green principles of pricing carbon, reducing emissions and preventing carbon leakage to combat global warming. But in reality it is nothing but a tax against emerging economies like India exporting to the EU. Trure, the European bloc has ambitious climate targets of cutting greenhouse gases by 55% over this decade and seeks to withdraw free carbon allowances for its most polluting industries. However, by targetting imports of carbon-intensive goods sucl as aluminium, steel, cement, fertilisers and electricity it is imposing European emission standards on emerging economies.

This is a clear violation of the principle of common but differentiated responsibilities of international climate action. The rich countries o: the global north bear historic responsibility for global warming. But after having achieved a high standard of living through centuries of polluting industries, they now want to slam the development door shut on the rest of the world. Further exemplifying this hypocrisy is the fact that when the Ukraine war pushed up energy prices last year, EU nations had no qualms falling back on dirty coal.

Plus, rich nations have done little to mobilise the targeted $100 billion for climate funding to help developing nations transition to low-carbon pathways. Thus, India is right to object to the EU carbon tax. It should prepare retaliatory measures, including taking the matter to World Trade Organization (WTO) and flagging it as a non-tariff barrier.

The following exemplify the hypocrisy of the European Union's imposition of carbon tax

A. Rich countries of the global north have achieved a high standard of living through centuries of polluting industries.
B. Rich countries now wish to hamper the development of the emerging economies.
C. Rich countries violate the principle of common but differentiated responsibilities of international climate action.
D. Rich countries are not imposing European emission standards on emerging economies.

Choose the correct answer from the options given below:

1. A and B only
2. A, B and D only
3. B, C and D only
4. A, B and C only

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिएः

इस सप्ताह के पहले यूरोपीय संघ के विधि निर्माताओं ने वर्ष 2026 से अपने प्रस्तावित कार्बन सीमांत समायोजन कार्यविधि को लागू करने के लिए आधारकार्य किया। आवश्यक रूप से कार्बन सीमांत शुल्क भूमंडलीय उष्मण का सामना करने हेतु कार्बन की कीमत तय करने, उत्सर्जन कम करने औ कार्बन रिसाव को रोकने के कार्यो के हरित सिद्धांतो से परिच्छदित है, परन्तु वास्तविक रूप में यह कुछ नहीं है बल्कि यूरोपीय संघ को निर्यात करने वाले भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के विरुद्ध एक शुल्क है। यह सही है कि यूरोपीय संघ ने इस दशक में ग्रीन हाउस गैसों विकास के दरवाज़े बंद करना चाहते हैं। आगे, इस पाखंड का स्पष्ट उदाहरण यह तथ्य है कि जब पिछले वर्ष उक्रेन युद्ध से ऊर्जा की कीमतो में वृद्धि हुयी तो यूरोपीय संघ ने पुनः प्रदूषक कोयले के इस्तेमाल में कोई संशय नहीं किया था।

इसके अलावा, समृद्ध देशों ने निम्न कार्बन के तरीके / मार्ग अपनाने हेतु परिवर्तन के लिए विकासशील देशों की सहायता करने हेतु जलवायु निधिपोषण के लिए लक्षित 100 बिलियन डालर ($) जुटाने के लिए कुछ नहीं किया है। अंतः भारत द्वारा यूरोपीय संघ कार्बन शुल्क पर आपत्ति करना सही कदम है। इसे विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू टी ओ) के सम्मुख इस मामले को रखने और गैर-शुल्क बाधा के रूप में इसे उठाने के साथ प्रतिकारी उपायों से तत्पर रहना चाहिये। में 55% की कटौती करने के महत्वकांक्षी जलवायु लक्ष्य को निर्धारित किया है, और सर्वाधिक प्रदूषण पैदा करने वाले अपने उद्योगों के कार्बनमुक्त भत्तों को वापस लेना चाहता है। यद्यपि, अल्युमीनियम, स्टील / इस्पात, सीमेंट, उर्वरकों तथा विद्युत जैसी वस्तुओं के आयातों को लक्ष्यित करते हुए उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर यूरोपीय उत्सर्जन मानकों को थोपा जा रहा है। यह अंतर्राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई के साझा व विभेदित दायित्व के सिद्धान्त का स्पष्ट उल्लंघन है। भूमंडल के उत्तर के समृद्ध देशों का भूमंडलीय उष्मण का ऐतिहासिक दायित्व है। परन्तु उत्तरी भूमंडलीय समृद्ध देश शताब्दियों से प्रदूषणकारी उद्योगों द्वारा उच्च जीवन स्तर प्राप्त करने के बाद अब विश्व के शेष देशों के प्रतिकारी उपायों से तत्पर रहना चाहिये।

निम्नलिखित में कौन-कौन यूरोपीय संघ के कार्बन शुल्क थोपने के पाखंड / मिथ्याचार को दृष्टांत द्वारा स्पष्ट करते है?

A. उत्तरी भूमंडलीय समृद्ध देशों ने शताब्दियों से प्रदूषणकारी उद्योगों द्वारा उच्च जीवन स्तर प्राप्त किया है।
B. अब समृद्ध देश उभरती अर्थ व्यवस्थाओं के विकास में बाधा डालना चाहते हैं।
C. समृद्ध देश अन्तर्राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई के साझा परन्तु विभेदित दायित्वों के सिद्धान्त का उल्लंघन करते हैं ।
D. समृद्ध देश उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर यूरोपीय उत्सर्जन मानकों को थोप नहीं रहे हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल A और B
2. केवल A, B और D
3. केवल B, C और D
4. केवल A, B और C

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

50	1700	

Read the passage and answer the questions that follow:

Earlier this week, European Union (EU) lawmakers laid the groundwork for the rollout of its proposed carbon border adjustment mechanism from 2026. Essentially a carbon border tax, it is shrouded in green principles of pricing carbon, reducing emissions and preventing carbon leakage to combat global warming. But in reality it is nothing but a tax against emerging economies like India exporting to the EU. Trure, the European bloc has ambitious climate targets of cutting greenhouse gases by 55% over this decade and seeks to withdraw free carbon allowances for its most polluting industries. However, by targetting imports of carbon-intensive goods sucl as aluminium, steel, cement, fertilisers and electricity it is imposing European emission standards on emerging economies.

This is a clear violation of the principle of common but differentiated responsibilities of international climate action. The rich countries o: the global north bear historic responsibility for global warming. But after having achieved a high standard of living through centuries of polluting industries, they now want to slam the development door shut on the rest of the world. Further exemplifying this hypocrisy is the fact that when the Ukraine war pushed up energy prices last year, EU nations had no qualms falling back on dirty coal.

Plus, rich nations have done little to mobilise the targeted $100 billion for climate funding to help developing nations transition to low-carbon pathways. Thus, India is right to object to the EU carbon tax. It should prepare retaliatory measures, including taking the matter tc World Trade Organization (WTO) and flagging it as a non-tariff barrier.

India is right to object to the European Carbon tax because

A. It will affect its economic growth
B. India is not concerned about global warming
C. Rich nations have yet to molize $ 100 billion for climate funding to help developing countries transition to low-carbon pathways
D. Rich countries of the global north bear historic responsibility for global warming

Choose the correct answer from the options given below:

1. B and C only
2. A and D only
3. A, C and D only
4. A, B and D only

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिएः

इस सप्ताह के पहले यूरोपीय संघ के विधि निर्माताओं ने वर्ष 2026 से अपने प्रस्तावित कार्बन सीमांत समायोजन कार्यविधि को लागू करने के लिए आधारकार्य किया। आवश्यक रूप से कार्बन सीमांत शुल्क भूमंडलीय उष्मण का सामना करने हेतु कार्बन की कीमत तय करने, उत्सर्जन कम करने औ कार्बन रिसाव को रोकने के कार्यो के हरित सिद्धांतो से परिच्छदित है, परन्तु वास्तविक रूप में यह कुछ नहीं है बल्कि यूरोपीय संघ को निर्यात करने वाले भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के विरुद्ध एक शुल्क है। यह सही है कि यूरोपीय संघ ने इस दशक में ग्रीन हाउस गैसों विकास के दरवाज़े बंद करना चाहते हैं। आगे, इस पाखंड का स्पष्ट उदाहरण यह तथ्य है कि जब पिछले वर्ष उक्रेन युद्ध से ऊर्जा की कीमतो में वृद्धि हुयी तो यूरोपीय संघ ने पुनः प्रदूषक कोयले के इस्तेमाल में कोई संशय नहीं किया था।

इसके अलावा, समृद्ध देशों ने निम्न कार्बन के तरीके / मार्ग अपनाने हेतु परिवर्तन के लिए विकासशील देशों की सहायता करने हेतु जलवायु निधिपोषण के लिए लक्षित 100 बिलियन डालर ($) जुटाने के लिए कुछ नहीं किया है। अंतः भारत द्वारा यूरोपीय संघ कार्बन शुल्क पर आपत्ति करना सही कदम है। इसे विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू टी ओ) के सम्मुख इस मामले को रखने और गैर-शुल्क बाधा के रूप में इसे उठाने के साथ प्रतिकारी उपायों से तत्पर रहना चाहिये। में 55% की कटौती करने के महत्वकांक्षी जलवायु लक्ष्य को निर्धारित किया है, और सर्वाधिक प्रदूषण पैदा करने वाले अपने उद्योगों के कार्बनमुक्त भत्तों को वापस लेना चाहता है। यद्यपि, अल्युमीनियम, स्टील / इस्पात, सीमेंट, उर्वरकों तथा विद्युत जैसी वस्तुओं के आयातों को लक्षित करते हुए उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर यूरोपीय उत्सर्जन मानकों को थोपा जा रहा है। यह अंतर्राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई के साझा व विभेदित दायित्व के सिद्धान्त का स्पष्ट उल्लंघन है। भूमंडल के उत्तर के समृद्ध देशों का भूमंडलीय उष्मण का ऐतिहासिक दायित्व है। परन्तु उत्तरी भूमंडलीय समृद्ध देश शताब्दियों से प्रदूषणकारी उद्योगों द्वारा उच्च जीवन स्तर प्राप्त करने के बाद अब विश्व के शेष देशों के प्रतिकारी उपायों से तत्पर रहना चाहिये।

भारत द्वारा यूरोपीय संघ कार्बन शुल्क आपत्ति करना सही है क्योंकि-

A. यह उसके आर्थिक विकास को प्रभावित करेगी।
B. भारत भूमंडलीय उष्मण के बारे चिंतित नहीं है।
C. समृद्ध देशों को अभी-भी निम्न कार्बन के तरीके / मार्ग अपनाने हेतु परिवर्तन के लिए विकासशील देशों की सहायता करने हेतु निधि पोषण के लिए 100 बिलियन डालर जुटाना है।
D. भूमंडलीय उत्तर के समृद्ध देशों पर भूमंडलीय उष्मण का ऐतिहासिक उत्तरदायित्व है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल B और C
2. केवल A और D
3. केवल A, C और D
4. केवल A, B और D

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

51 58001 The theory of 'Separation of powers' is credited to:

1. Aristotle
2. Locke
3. Montesquieu
4. Kelsen

'शक्तियों के पृथक्करण' का सिद्धांत देने का श्रेय किसे प्राप्त है?

1. अरस्तू
2. लॉक
3. मॉटेस्क्यू
4. केल्सन

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिएः

इस सप्ताह के पहले यूरोपीय संघ के विधि निर्माताओं ने वर्ष 2026 से अपने प्रस्तावित कार्बन सीमांत समायोजन कार्यविधि को लागू करने के लिए आधारकार्य किया। आवश्यक रूप से कार्बन सीमांत शुल्क भूमंडलीय उष्मण का सामना करने हेतु कार्बन की कीमत तय करने, उत्सर्जन कम करने औ कार्बन रिसाव को रोकने के कार्यो के हरित सिद्धांतो से परिच्छदित है, परन्तु वास्तविक रूप में यह कुछ नहीं है बल्कि यूरोपीय संघ को निर्यात करने वाले भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के विरुद्ध एक शुल्क है। यह सही है कि यूरोपीय संघ ने इस दशक में ग्रीन हाउस गैसों विकास के दरवाज़े बंद करना चाहते हैं। आगे, इस पाखंड का स्पष्ट उदाहरण यह तथ्य है कि जब पिछले वर्ष उक्रेन युद्ध से ऊर्जा की कीमतो में वृद्धि हुयी तो यूरोपीय संघ ने पुनः प्रदूषक कोयले के इस्तेमाल में कोई संशय नहीं किया था।

इसके अलावा, समृद्ध देशों ने निम्न कार्बन के तरीके / मार्ग अपनाने हेतु परिवर्तन के लिए विकासशील देशों की सहायता करने हेतु जलवायु निधिपोषण के लिए लक्षित 100 बिलियन डालर ($) जुटाने के लिए कुछ नहीं किया है। अंतः भारत द्वारा यूरोपीय संघ कार्बन शुल्क पर आपत्ति करना सही कदम है। इसे विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू टी ओ) के सम्मुख इस मामले को रखने और गैर-शुल्क बाधा के रूप में इसे उठाने के साथ प्रतिकारी उपायों से तत्पर रहना चाहिये। में 55% की कटौती करने के महत्वकांक्षी जलवायु लक्ष्य को निर्धारित किया है, और सर्वाधिक प्रदूषण पैदा करने वाले अपने उद्योगों के कार्बनमुक्त भत्तों को वापस लेना चाहता है। यद्यपि, अल्युमीनियम, स्टील / इस्पात, सीमेंट, उर्वरकों तथा विद्युत जैसी वस्तुओं के आयातों को लक्ष्यित करते हुए उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर यूरोपीय उत्सर्जन मानकों को थोपा जा रहा है। यह अंतर्राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई के साझा व विभेदित दायित्व के सिद्धान्त का स्पष्ट उल्लंघन है। भूमंडल के उत्तर के समृद्ध देशों का भूमंडलीय उष्मण का ऐतिहासिक दायित्व है। परन्तु उत्तरी भूमंडलीय समृद्ध देश शताब्दियों से प्रदूषणकारी उद्योगों द्वारा उच्च जीवन स्तर प्राप्त करने के बाद अब विश्व के शेष देशों के प्रतिकारी उपायों से तत्पर रहना चाहिये|

भारत द्वारा यूरोपीय संघ कार्बन शुल्क आपत्ति करना सही है क्योंकि-

A. यह उसके आर्थिक विकास को प्रभावित करेगी।
B. भारत भूमंडलीय उष्मण के बारे चिंतित नहीं है।
C. समृद्ध देशों को अभी-भी निम्न कार्बन के तरीके / मार्ग अपनाने हेतु परिवर्तन के लिए विकासशील देशों की सहायता करने हेतु निधि पोषण के लिए 100 बिलियन डालर जुटाना है।
D. भूमंडलीय उत्तर के समृद्ध देशों पर भूमंडलीय उष्मण का ऐतिहासिक उत्तरदायित्व है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल B और C
2. केवल A और D
3. केवल A, C और D
4. केवल A, B और D

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

51 58001 The theory of 'Separation of powers' is credited to:

1. Aristotle
2. Locke
3. Montesquieu
4. Kelsen

'शक्तियों के पृथक्करण' का सिद्धांत देने का श्रेय किसे प्राप्त है?

1. अरस्तू
2. लॉक
3. मॉटेस्क्यू
4. केल्सन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

52 58002 Who made the statement that "Jurisprudence is the study and systematic arrangement of the general principles of law"?

1. R.W.M Dias
2. Julius stone
3. Keeton C.G
4. E.W Patterson

"न्यायशास्त्र विधि के सामान्य सिद्धांतों का अध्ययन और प्रणालीबद्ध व्यवस्थापन है।" यह उक्ति किसकी है?

1. आर.डब्लू.एम.डायस
2. जूलियस स्टोन
3. कीटन सीजी
4. पैटर्सन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

53 58003 "International Law or the Law of the Nations is the name of the body of rules which according to the usual definition regulate the conduct of states in their intercourse with one another," who said it?

1. oppenheim
2. Lauterpatch
3. Brierly
4. Kelsen

"राष्ट्रों की विधि या अन्तरराष्ट्रीय विधि उस नियमावली निकाय का नाम है जो प्रायिक परिभाषा के अनुसार देशों की एक-दूसरे के साथ समागम (विमर्श) के संचालन को विनियमित करते हैं" - यह किसकी उक्ति है?

1. ओपेनहीम
2. लॉटरपॉच
3. ब्रायर्ली
4. केल्सन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

54 58004 In case of "tort of trespass", which of the following defence shall not apply?

1. Statutory authority
2. Contributory negligence
3. Private defence
4. Mesne profits

'अतिचार के अपकृत्य' के मामले में निम्नांकित में से कौन सा बचाव लागू नहीं होगा?

1. सांविधिक प्राधिकार
2. अंशदायी लापरवाही
3. प्राइवेट (निजी) प्रति रक्षा
4. अतःकालीन लाभ (मिने प्राफिट)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

55 58005 'I promise to pay Rs.5000 and to deliver to him my black horse on 1st January next .' This is an illustration for which of the following?

1. A valid promissory note
2. An invalid promissory note
3. A valid bill of exchange
4. An invalid bill of exchange

'मैं अमुक व्यक्ति को 5000 रु. की संदायगी करने और उसे अगले जनवरी की 1 तारीख को अपना काला घोड़ा देने का वचन देता हूँ।' यह निम्नांकित में से किसका उदाहरण है?

1. विधिमान्य वचनपत्र
2. गैर-विधिमान्य वचनपत्र
3. विधिमान्य विनिमयपत्र
4. गैर-विधिमान्य विनिमयपत्र

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

56	58006	With respect to':Daughters' under 'class I heirs' in the Hindu Succession Act, 1956, which one the following holds true?

1. "Daughters" means natural born daughters and not adopted daughters
2. Step daughter is included
3. Daughter includes posthumous daughter
4. Unchasity of daughter is a bar to inheritance

हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 में 'वर्ग-I के उत्तराधिकारियों' के अंतर्गत 'पुत्रियों' के मामले में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. पुत्रियों का अर्थ नैसर्गिक रूप से जन्मी पुत्रियाँ, न कि गोद ली गई पुत्रियाँ।
2. सौतेली पुत्री सम्मिलित की जाती है।
3. पुत्री में मरणोत्तर पुत्री सम्मिलित की जाती है।
4. पुत्री की शीलभ्रष्टता उत्तराधिकार में एक वर्जन है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

57	58007	One of the heirs is not included in 'class I heirs' under the Hindu Succession (Amendment) Act,2005?

1. Daughter of a predeceased daughter of a pre-deceased daughter
2. Daughter of a pre-deceased son of a pre-deceased daughter
3. Son of a pre-deceased son of a pre-deceased daughter
4. Son of a pre-deceased daughter of a pre-deceased daughter

हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2005 के अंतर्गत 'वर्ग-I' में निम्नलिखित में से कौनसे उत्तराधिकारी को सम्मिलित नहीं किया जाता है?

1. एक पूर्व-मृत पुत्री की एक पूर्व-मृत पुत्री की पुत्री
2. एक पूर्व-मृत पुत्री के एक पूर्व-मृत पुत्र की पुत्री
3. एक पूर्व-मृत पुत्री के एक पूर्व-मृत पुत्र का पुत्र
4. एक पूर्व-मृत पुत्री की एक पूर्व-मृत पुत्री का पुत्र

A1 : 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

58 58008 'The Grand function of the Law of Nature was discharged in giving birth to modern International Law', who said it?

1. Oppenheim
2. Henry Maine
3. Holland
4. H.L.A. Hart

'प्राकृतिक नियमों के सर्वोत्तम कृत्य ने आधुनिक अन्तर्राष्ट्रीय विधि को जन्म देने में एक आधार प्रदान किया है', यह किसकी उक्ति हैः

1. ओपेनहीम
2. हेनरी मेन
3. हॉलैंड
4. एच.एल.ए. हार्ट

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

59 58009 The principle of *JUS COGENS* is incorporated in which Article of the Vienna Convention on Law of Treaties, 1969?

1. Article 25
2. Article 37
3. Article 53
4. Article 63

'जस कोजेन्स' का सिद्धांत, वियना कन्वेंशन ऑन लॉ ऑफ ट्रीटीज, 1969 के किस अनुच्छेद में समाहित किया गया?

1. अनुच्छेद 25
2. अनुच्छेद 37
3. अनुच्छेद 53
4. अनुच्छेद 63

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

60 58010 Which of the following is correct?

1. "The only right which any man can possess is the right always to do his duty" is Duguit's Theory
2. 'Social solidarity' a natural principle is given by Jurist Gierke
3. Pound, legal philosophy is 'Utilitarianism'
4. Austin said " Law is Social Engineering"

निम्नांकित में से कौन सा कथन सही है:

1. "एक मात्र अधिकार, जिसे कोई व्यक्ति धारित कर सकता है - वह है - सदैव अपने कर्तव्य पालन का अधिकार ड्यूगिट का सिद्धांत" है।
2. "सामाजिक समेकता (एक जुटता)" न्यायविद गियर्क द्वारा प्रतिपादित नैसर्गिक सिद्धांत है।
3. 'पाउन्ड', विधिक दर्शन 'उपयोगितावादी' है।
4. ऑस्टिन ने कहा था, "विधि सामाजिक अभियान्त्रिकी है।"

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

61 58011 Resale share right in original copies under section 53 A of the Copyright Act, 1957 is not applicable to:

1. Original copy of painting
2. Original copy of sculpture
3. Original manuscript of a literary or dramatic work
4. Cinematograph film

प्रतिलिप्याधिकार अधिनियम, 1957 की धारा 53A के अधीन मूल प्रतियों में शेयर अधिकार की पुनर्बिक्री निम्नांकित में से किसमें प्रयोज्य नहीं है?

1. चित्रकारी की मूलप्रति
2. मूर्ति की मूलप्रति
3. किसी साहित्यिक या नाटकीय कृति की मूल पांडुलिपि
4. चलचित्र फिल्म

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

62 58012 'Voyeurism' for a second or subsequent conviction attracts a punishment of:

1. Imprisonment of not less than 1 year but which may extend to 3 years and fine.
2. Imprisonment of not less than 2 years but which may extend to 4 years and fine
3. Imprisonment of not less than 3 years but which may extend to 7 years and fine
4. Imprisonment of not less than 5 years but which may extend to 9 years and fine

द्वितीय या परवर्ती 'किसी दोष सिद्धि के लिए' 'दृश्यातिरेकता' की दशा में निम्नांकित में से कौन सा दण्ड विधान हैः

1. एक वर्ष से अन्यून अवधि का कारावास किन्तु इसे 3 वर्ष तक का कारावास और जुर्माना तक बढ़ाया जा सकता है।
2. दो वर्ष से अन्यून अवधि का कारावास किन्तु इसे 4 वर्ष तक के कारावास और जुर्माना तक बढाया जा सकता है।
3. तीन वर्ष से अन्यून अवधि का कारावास जिसे 7 वर्ष तक के कारावास और जुर्माना तक बढ़ाया जा सकता है।
4. पांच वर्ष से अन्यून अवधि का कारावास जिसे 9 वर्ष तक के कारावास और जुर्माना तक बढ़ाया जा सकता है।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

63 58013 The Motor Vehicle Act, 2019 has amended the following Act:

1. The Motor Vehicle Act 1988
2. The Motor Vehicle Act 1978
3. The Motor Vehicle Act 1980
4. The Motor Vehicle Act 1990

मोटर यान अधिनियम, 2019 ने निम्नांकित में से किस अधिनियम को संशोधित किया हैः

1. मोटर यान अधिनियम, 1988
2. मोटर यान अधिनियम, 1978
3. मोटर यान अधिनियम, 1980
4. मोटर यान अधिनियम, 1990

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

64 58014 Which of the following theories of punishment provides that 'crime is a disease' and the object should be to 'cure disease'?

1. Deterrent theory
2. Reformative theory
3. Expiatory theory
4. Retributive theory

निम्नांकित में से किस दण्ड-सिद्धांतों में यह है कि 'अपराध रोग' है और लक्ष्य 'रोग का उपचार' करना होना चाहिए?

1. भयात्मक सिद्धांत
2. सुधारात्मक सिद्धांत
3. प्रायश्चितिक सिद्धांत
4. प्रतिकारी सिद्धांत

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

65 58015 Which of the following legal maxims is not related to tort:

1. Ubi jus ibi remedium
2. Volenti non fit injuria
3. Res ipsa Loquitur
4. Pari delicto

निम्नांकित में से कौन सी विधिक सूक्ति अपकृत्य से संबंधित नहीं है ?

1. यूबी जस इबी रिमेडियम
2. वोलेंटी नॉन फिट इंजूरिया
3. रेस इप्सा लोकिटर है
4. पैरि डेलिक्टो

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

66 58016

Which one of the following is not covered by the schools of Jurisprudence ?

1. The Historical school
2. The Realist school
3. The Sociological school
4. The Critical school

निम्नांकित में से क्या विधिशास्त्र की विचारधारा में शामिल नहीं है:

1. ऐतिहासिक विचारधारा
2. यथार्थवादी विचारधारा
3. समाजशास्त्रीय विचारधारा
4. आलोचनात्मक विचारधारा

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

67 58017

By which writ, the decision of the highest *tribunal* of a State can be revised?

1. Mandamas
2. Prohibition
3. Certiorari
4. Quowarranto

निम्नांकित में से किस याचिका (रिट) के द्वारा राज्य में उच्चतम प्राधिकरण द्वारा दिए गए निर्णय को पुनरीक्षित किया जा सकता है?

1. परमादेश
2. प्रतिषेध
3. उत्प्रेषण
4. अधिकार-पृच्छा

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

68 58018

The Berne Convention, 1886 deals with:

1. Copyright Law
2. Trade Mark Law
3. Designs Law
4. Geographical Indications Law

बर्न अभिसमय, 1886 निम्नांकित में से किससे संबंधित हैः

1. प्रतिलिप्याधिकार विधि
2. व्यापार-चिह्न विधि (ट्रेडमार्क विधि)
3. अभिकल्प (डिजाइन)
4. भौगोलिक निरुपण (जी.आई. विधि)

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

69 58019 The 'bailment of the goods,' as security for payment of a debt or performance of a promise, is called:

1. Indemnity
2. Guarantee
3. Mortgage
4. Pledge

किसी ऋण के संदाय के लिए या किसी वचन के पालन के लिए प्रतिभूत के रूप में 'माल का अपनिधान', कहलाता हैः

1. क्षतिपूर्ति
2. गारंटी
3. बंधक
4. गिरवी

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

70 58020

The following is known as to "SAFETY NET" of International Humanitarian Law

1. LEVEE EN MASSE
2. HORS DE COMBAT
3. HENRY DUNANTS CLAUSE
4. MARTENS CLAUSE

निम्नांकित में से क्या अन्तर्राष्ट्रीय मानवतावादी विधि का 'संरक्षा तंत्र' (सेफ्टी नेट) कहलाता है?

1. लेवी एन मासे
2. हॉर्स डी कॉम्बैट
3. हेनरी डुनैन्ट्स क्लॉज
4. मार्टेन्स क्लॉज

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

71 58021 The "ESTRADA DOCTRINE" was propounded by ESTRADA, who was:

1. The Foreign Minister of Spain
2. The Foreign Minister of France
3. The Foreign Minister of Mexico
4. The Foreign Minister of Malta

'एस्ट्रैडा सिद्धांत' के प्रतिपादक एस्ट्रैडाः

1. स्पेन के विदेशमंत्री थे
2. फ्रांस के विदेशमंत्री थे
3. मैक्सिको के विदेशमंत्री थे
4. माल्टा के विदेशमंत्री थे

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

72 58022

With respect to '*Muta* marriage' amongst Muslims, which of the following is/are correct:

1. Spouses have no right of mutual inheritance even if one of the spouses dies when if Muta is subsisting.
2. The husband has no right of 'talaq' though the parties are free to terminate it by mutual consent
3. The children of *Muta* marriage are illegitimate
4. Both (1) and (2)

मुस्लिम समाज में 'मुता विवाह' के संदर्भ में निम्नांकित में से कौन सा / कथन सही है / हैं ?

1. पति/पत्नी के पास परस्पर वंशानुगति का कोई अधिकार नहीं है, भले ही पति/पत्नी में से किसी एक की मृत्यु मुता के आस्तित्व में रहने के दौरान हुई है
2. पति को तलाक का अधिकार नहीं है यद्यपि पक्षकार परस्पर सहमति से इसका परिसमापन करने के लिए स्वतंत्र हैं
3. मुता विवाह के फलस्वरूप जन्म लेने वाले बच्चे अधर्मज होते हैं
4. दोनों (1) और (2)

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

73	58023	The owner of the Copyright of the sound recording has which one of following right, under sec 14 (e) of the Copyright Act,1957.

1. to encrypt the sound recording
2. to make any adaptation of the sound recording
3. to communicate the sound recording to the public
4. to make any translation of the work recorded in the sound recording

प्रतिलिप्याधिकार अधिनियम 1957 की धारा 14 (e) के अन्तर्गत ध्वनि की रिकॉर्डिंग के प्रतिलिप्याधिकार के स्वामी के पास निम्नलिखित कौन एक अधिकार हैः

1. ध्वनि की रिकार्डिंग को इन्क्रीप्ट करना
2. ध्वनि की रिकार्डिंग का कोई अनुकूलन करना
3. ध्वनि की रिकार्डिंग का जनता में संप्रेषण
4. ध्वनि की रिकार्डिंग में रिकार्ड किए गए कार्य का कोई अनुवाद करना

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

74 58024

In which case the 'principle of Prospective Overruling' was laid down?

1. *S.P Gupta* v. *Union of India*
2. *I.C. Golaknath* v. *State of Punjab*
3. *Sunil Batra* v. *Delhi Administration*
4. *M.C Mehta* v. *Union of India*

'प्रॉसपेक्टिव ओवररुलिंग' का सिद्धांत किस वाद में प्रतिपादित हुआ?

1. एस.पी.गुप्ता बनाम भारत संघ
2. आई.सी. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य
3. सुनील बत्रा बनाम दिल्ली प्रशासन
4. एम.सी. मेहता बनाम भारत संघ

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

75 58025 Who made the following statement "Life of law is not logic, it is experience"

1. Roscoe Pound
2. H. Kelsen
3. O.W Holmes (Jr)
4. John Austin

"विधि का जीवन तर्क नहीं है, यह अनुभव है" यह किसका कथन है?

1. रोस्को पाउंड
2. एच. केल्सन
3. ओ. डब्लू. होम्स (जू.)
4. जॉन ऑस्टिन

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

76 58026

Which one of the following is incorrect:

1. Patents are granted to encourage inventions
2. Protection and enforcement of patents contribute to technological innovation
3. Patented invention shall be available at reasonable affordable price.
4. The invention shall be published before applying for patent.

निम्नांकित में से कौन सा कथन गलत हैः

1. आविष्कार को प्रोत्साहित करने के लिए पेटेंट का अनुदान दिया जाता है।
2. पेटेंट के संरक्षण और प्रवर्तन का प्रौद्योगिकी नवोन्मेष में योगदान होता है।
3. पेटेंट कराए गए आविष्कार उचित सस्ते मूल्य पर उपलब्ध होंगे
4. पेटेंट के लिए आवेदन करने से पूर्व आविष्कार को प्रकाशित कर इसका प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

77 58027 Which of the following 'select combination' of words, from the Preamble of the Constitution of India, is in correct order?

1. "Fraternity assuring the integrity"
2. "Fraternity assuring the dignity"
3. "Fraternity assuring the unity"
4. "Fraternity assuring the unity and integrity"

भारतीय संविधान की उद्देशिका से उद्धृत निम्नांकित में से किस शब्द-युग्म का क्रम सही हैः

1. "अखंडता का आश्वासन देनेवाला बंधुत्व"
2. "गरिमा सुनिश्चित करने वाली बन्धुता"
3. "एकता सुनिश्चित करने वाली बंधुता"
4. "एकता और अखंडता का आश्वासन देने वाला बंधुत्व"

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

78 58028

Who made the following statement:

"Large part, and as many would add the best part of law of England is judge made law, that is to say, consists of rules to be collected from the judgements of the courts"

1. Dicey
2. Lord Denning
3. Bacon
4. Bentham

यह निम्न में किसका कथन है:

"इंग्लैड की विधि का बड़ा अंश और इसमें बहुत सी अन्य विधियों का योग होगा और यह न्यायाधीश द्वारा बनाई गई विधि है, अर्थात् इनमें वे नियम अंतर्वि हैं जिनका संकलन न्यायालयों के निर्णय से किया जाता है।"

1. डायसी
2. लॉर्ड डेनिंग
3. बेकन
4. बैंथम

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

79 58029 Which of the following case is popularly known as 'Taj Trapezium' case?

1. *M.C Mehta* v. *Union of India & ors* (1997) 2 SCC 353
2. *Vineet Kumar Mathur* v. *Union of India* (1996) 7 SCC 714
3. *Okhla Bird Sanctuary* v. *Anand Arya* (2011) 7 SCC 74
4. *M.C Mehta* v. *Union of India* (AIR 1987 SC 1086)

निम्नांकित में से कौन सा वाद 'ताज ट्रेपेजियम' प्रकरण (वाद) के नाम से प्रसिद्ध है?

1. एम सी. मेहता बनाम भारत संघ एवं अन्य (1997) 2 एस.सी.सी. 353
2. विनीत कुमार माथुर बनाम भारत संघ एवं अन्य (1996) 7 एस.सी.सी. 714
3. ओखला पक्षी अभयारण्य बनाम आनंद आर्या (2011) 7 एस.सी.सी. 74
4. एम सी. मेहता बनाम भारत संघ ए.आई.आर. 1987 एस.सी. 1086

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

80 58030 Which Jurist gave the classification of the sources of law as (a) binding and (b) persuasive :

1. Keeton
2. Salmond
3. Allen
4. Rosco Pound

किस न्यायविद ने विधि के स्रोत का वर्गीकरण (क) बाध्यकारी और (ख) अनुनयकारी के रूप में किया:

1. कीटन
2. सॉमण्ड
3. एलेन
4. रॉस्को पाउंड

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

81 58031 According to article 80 of the Constitution of India, the representatives of each state in the Council of States are elected by:

1. elected members of the Legislative Assembly of the State by majority vote through secret ballot.
2. all the members of the Legislative Assembly of the state by majority vote through secret ballot.
3. elected members of the Legislative Assembly of the State in accordance with system of proportional representation by means of the single transferable vote.
4. all the members of the Legislative Assembly of the State in accordance with system of proportional representation by means of the single transferable vote

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 80 के अनुसार राज्य सभा में प्रत्येक राज्य के प्रतिनिधियों का निर्वाचन किया जाता हैः

1. गुप्त मतदान के माध्यम के बहुमत द्वारा राज्य की विधान सभा के निर्वाचित सदस्य
2. गुप्त मतदान के माध्यम के बहुमत द्वारा राज्य की विधान सभा के सभी सदस्य
3. एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार राज्य की विधान सभा के निर्वाचिन सदस्यों
4. एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार राज्य की विधान सभा के सभी सदस्य

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

82 58032 Under which of the following principles is the "Polluter Pays Principle" is envisaged?

1. Principle 15, Earth Summit, 1992
2. Principle 1 & 2, Stockholm Declaration, 1972
3. Principle 16, Rio Declaration, 1992
4. Principle 5, Rio declaration, 1992

"द पॅल्यूटर पेज़ प्रिंसिपल" की परिकल्पना निम्नांकित में से किस सिद्धांत के अधीन की गई थी?

1. सिद्धांत 15, पृथ्वी शिखर सम्मेलन, 1992
2. सिद्धांत 1 और 2, स्टॉकहोम घोषणा, 1972
3. सिद्धांत 16, रियो घोषणा, 1992
4. सिद्धांत 5, रियो घोषणा, 1992

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

83 58033 The strict adherence to the 'rule of *Locus standi'* was diluted first in:

1. *D.C Wadhwa* v. *State of Bihar*
2. *Parmanand Katara* v. *Union of India*
3. *Ratlam Municiple Council* v. *Vardichand*
4. *Vishakha* v. *State of Rajasthan*

'सुनवाई के अवसर के नियम' का कड़ाई से अनुपालन का सर्वप्रथम निम्नांकित में से किस वाद में तनुकरण (हल्का) हुआ था?

1. डी.सी. बधवा बनाम बिहार राज्य
2. परमानंद कटारा बनाम भारत संघ
3. रतलाम नगरपालिका परिषद बनाम वर्दीचंद
4. विशाखा बनाम राजस्थान राज्य

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

84 58034

Given below are two statements:

To constitute a tort:
Statement I: There must be some act or omission on the part of the defendant.

Statement II: The act or omission should result in legal damage

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below.

1. Both Statement I and Statement II are true
2. Both Statement I and Statement II are false
3. Statement I is true but Statement II is false
4. Statement I is false but Statement II is true

नीचे दो कथन दिए गए हैंः अपकृत्य का निर्माण करने के लिएः
कथन I: प्रतिबादी की ओर से कोई कृत्य या लोप होना अनिवार्य है।
कथन II: कृत्य या लोप का परिणाम विधिक क्षति होना चाहिए।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. कथन I और कथन II दोनों सत्य हैं
2. कथन I और कथन II दोनों असत्य हैं
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

85 58035

Who wrote the book 'Concept of Law'?

1. Paton
2. Korkunor
3. Salmond
4. H.L.A Hart

'कन्सेप्ट ऑफ लॉ' पुस्तक के लेखक हैंः

1. पैटन
2. कोर्कुनोव
3. सामण्ड
4. एच.एल.ए. हार्ट

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

86 58036 In the light of which of the following Articles of the Constitution of India, the Environment (Protection) Act, 1986 was enacted:

1. Article 249
2. Article 250
3. Article 252
4. Article 253

भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के आलोक में पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 अधिनियमित किया गया ?

1. अनुच्छेद 249
2. अनुच्छेद 250
3. अनुच्छेद 252
4. अनुच्छेद 253

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

87 58037 In which of the following cases the Supreme Court observed that the noise pollution cannot be tolerated even if such noise was direct results of and was connected with religious activities?

1. *K.M Chinappa* v. *Union of India*
2. *A.P. Pollution Control Board* v. *Prof. M.V Naidu*
3. *Church of God (Full Gospel) in India* v. *KKR Majestic Colony Welfare Association*
4. *Common Cause* v. *Union of India*

निम्नांकित में से किस वाद में उच्चतम न्यायालय में पर्यवेक्षित किया कि ध्वनि प्रदूषण को सहन नहीं किया जा सकता है, भले ही इस प्रकार की ध्वनि-प्रबलता धार्मिक गतिविधियों का प्रत्यक्ष परिणाम या उससे संबंधित क्यों नहीं हो?

1. के.एम. चिनप्पा बनाम भारत संघ
2. आंध्रप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड - बनाम प्रो. एम.वी. नायडू
3. चर्च ऑफ गॉड (फुल गोस्पेल) इन इंडिया बनाम के. के. आर. मैजेस्टिक कॉलोनी वेल्फेयर एसोशिएशन
4. कॉमन कॉज बनाम भारत संघ

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

88 58038 Which of the following Schedules of the National Green Tribunal(NGT) Act provides for the heads of the compensation:

1. Schedule IV
2. Schedule II
3. Schedule III
4. Schedule I

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण अधिनियम की किस अनुसूची में प्रतिकर के अंशो (भाग) का उपबंध है?

1. अनुसूची IV
2. अनुसूची II
3. अनुसूची III
4. अनुसूची I

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

89 58039 Section 28 of the Indian Forest Act, 1927 provides for

1. Protected Areas
2. Reserved Forest
3. Village Forests
4. Power of Forest Settlement Officer

भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 28 में उपबंध हैः

1. संरक्षित क्षेत्र
2. आरक्षित वन
3. ग्राम्य वन
4. वन बन्दोबस्त अधिकारी की शक्ति

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

90 58040

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion A: The polluter pays principle says that the absolute liability for the harm to environment extends not only to compensate the victims of pollution but also to the cost of restoring the environment degradation.

Reason R: The case *M.C Mehta* v *Kamalnath and other* has decided so.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below.

1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are correct and R is NOT the correct explanation of A
3. A is correct but R is not correct
4. A is not correct but R is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:
अभिकथन A: प्रदूषण कर्ता 'अदाकर्ता सिद्धांत' (पॅल्टूयर पेज प्रिंसिपल) कहता है कि पर्यावरण को हुई क्षति के बदले पूर्ण दायित्व (देयता) न केवल प्रदूषण के पीड़ितों को प्रतिकर की संदायत्री तक सीमित है अपितु पर्यावरणीय अवक्रमण को पुनर्बहाल करने की लागत भी इसमें सम्मिलित है।
कारण R: एम. सी. मेहता बनाम कमलनाथ एवं अन्य वाद में ऐसा अभिनिश्चय किया गया है।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है, लेकिन R सही नहीं है
4. A सही नहीं है, लेकिन R सही है

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

91 58041

Asha, a journalist employed, writes a story in the newspaper. Deepak makes a film based on the story. Raghu and Rekha plays the lead role in the film. The dance in the film is choreographed by Ajay.

A. Asha is the author of literary work.
B. Proprietor of the newspaper has copyright on the story, in the absence of a contract regarding copyright.
C. Proprietor of the newspaper has only the Publication rights
D. Raghu and Rekha have performer's right.
E. Ajay is the author of musical work.

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, D, and E only
2. A, C and D only
3. B and only
4. A, C, D and E only

पत्रकार के रूप में नियुक्त, आशा, समाचार पत्र में एक कहानी (स्टोरी) लिखती है। दीपक इस स्टोरी पर आधारित फिल्म बनता है। रघु और रेखा इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते हैं। इस फिल्म के नृत्य की कोरियोग्राफी अजय ने की है।

A. आशा साहित्यिक कृति की लेखिका है।
B. समाचार पत्र के स्वामी के पास स्टोरी का प्रतिलिप्याधिकार है किसी संविदा के अभाव में
C. समाचार पत्र के स्वामी के पास केवल प्रकाशन का अधिकार है।
D. रघु और रेखा के पास कार्य निष्पादक के अधिकार हैं
E. अजय संगीतमय कृति का लेखक है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल A, D, E
2. केवल A, C, D
3. केवल B D
4. केवल A, C, D, E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

92 58042 About Administrative Tribunals, Supreme Court recommended in 2010 Madras Bar Association Case:

A. The Tribunal should not become post- retirement heaven for civil servents.
B. Members of the Tribunals should be independent person and not serving Civil servants.
C. Members of Tribunal should retain lien in any government department.
D. The Tribunal should resemble more the Courts and not bureaucratic boards.
E. The Tribunals must depend on government for infrastructure facilities.

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. A, C and D only
3. C, D and E only
4. A, B and D only

प्रशासनिक न्यायाधिकरणों के बारे में उच्चतम न्यायालय ने वर्ष, 2010 में 'मद्रास बार एसोसिएशन वाद' में सिफारिश की थी किः

A. अधिकरण सिविल सेवकों के लिए सेवा निवृत्ति पश्चात का स्वर्ग नहीं होना चाहिए।
B. अधिकरण के सदस्य स्वतंत्र व्यक्ति होने चाहिए न कि सिविल सेवा में सेवारत व्यक्ति
C. अधिकरण के सदस्यों का किसी सरकारी विभाग/पद (लिएन) धारित करना चाहिए
D. अधिकरण न्यायालय के सदृश होना चाहिए न कि नौकरशाही बोर्ड की तरह
E. अधिकरण को आधारभूत सुविधाओं के लिए सरकार पर अवश्य ही निर्भर होना चाहिए

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल A, B, C
2. केवल A, C, D
3. केवल C, D, E
4. केवल A, B, D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

93 58043

A. International Law recognises general duty of state in respect of extradition.
B. International Law does not recognise general duty of state in respect of extradition.
C. Extradition depends on the provision, of existing Extradition Treaties
D. Countries may grant extradition without a Treaty
E. Customary International Law governs extradition

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A, B, D and E only
2. A,C, D and E only
3. B, C and E only
4. B, C and D only

A. अन्तर्राष्ट्रीय विधि में प्रत्यर्पण के मामले में राज्यों के सामान्य कर्तव्य को मान्यता दी गई है।
B. अन्तर्राष्ट्रीय विधि में प्रत्यर्पण के मामले में राज्यों के सामान्य कर्तव्य को मान्यता नहीं दी गई है।
C. प्रत्यर्पण विद्यमान प्रत्यर्पण संधियों के उपबन्धों पर निर्भर होता है।
D. देश बिना किसी संधि के प्रत्यर्पण की अनुमति दे सकते हैं।
E. प्रत्यर्पण परंपरागत/रूढ़िगत अन्तरर्राष्ट्रीय विधि से शासित होता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल A, B, D, E
2. केवल A, C, D, E
3. केवल A, C, E
4. केवल B, C, D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

94 58044

As per Salmond , there are 4 distinct kinds of rights:

A. Liberties
B. Rights
C. Power
D. Immunities
E. Kindness

Choose the correct answer from the options given below:

1. A and B only
2. A,B, C and D only
3. C,D and E only
4. A, B, D and E only

सॉमण्ड के अनुसार 4 प्रकार के विशिष्ट अधिकार हैं

A. स्वतंत्रताएँ
B. अधिकार
C. शक्ति
D. उन्मुक्तता
E. दयालुता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A और B
2. केवल A, B, C और D

3. केवल C, D और E
4. केवल A, B, D और E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

95 58045 With respect to valid conditions for Hindu Marriage, u/s 5 of the Hindu Marriage Act, 1955, which of the following are true:-

A. Neither party has a spouse living at the time of marriage
B. Mental capacity
C. Ceremonies of marriage
D. Parties are not within prohibited degree
E. No impotency

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, C and D only
2. A, B and D only
3. B, C and E only
4. A, B and E only

हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 5 के अधीन वैध हिन्दू विवाह की शर्तों के संबंध में निम्नोकित में से कौन से कथन सही है?

A. दोनों में से किसी पत्रकार की (पति/पत्नी) विवाह के समय जीवित नहीं हो।
B. मानसिक सक्षमता
C. विवाह के संस्कार
D. पक्षकार प्रतिषिद्ध श्रेणी के भीतर नहीं हो
E. नपुंसकता नहीं हो

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल A, C, D
2. केवल A, B, D
3. केवल B, C, E
4. केवल A, B, E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

96 58046

A. Treaties may be terminated
B. Treaties cannot be terminated
C. Treaties may be terminated by (i) operation of law and (ii) by act of state parties
D. Importing of performance of a treaty is also a ground for the termination of treaty and the provisions is contained Art 51 of the Vienna Convention of Law of Treaties , 1969
E. Importing of performance of a treaty is also a ground for the termination of treaty and the provisions is contained Art 57 of the Vienna Convention of Law of Treaties , 1969.

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B, C and E only
2. B, C and D only
3. B, C and E only
4. B and C only

A. संधियों का पर्यवसान हो सकता है।
B. संधियों का पर्यवसान नहीं हो सकता है।
C. संधियों का पर्यवसान हो सकता है। (1) विधि की क्रियाशीलता और (II) राज्य के पक्षकारों के कृत्य द्वारा
D. संधि का कार्यनिष्पादन असंभव होना भी संधि के पर्यवसान का आकार हो सकता है और इस उपबंध का उल्लेख वियना कन्वेंशन ऑन लॉ ऑफ ट्रीटीज, 1969 के अनुच्छेद 51 में है।
E. संधि के कार्य निष्पादन की असंभव होना भी संधि का पर्यवसानका उत्तम आधार है और इस उपबंध का उल्लेख वियना कन्वेशन ऑन लॉ ऑफ ट्रीटीज, 1969 के अनुच्छेद 57 में है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल A, B, C, E
2. केवल B, C, D
3. केवल A, C, E
4. केवल B और C

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

97 58047

Which of the following is true with regards to *Iddat* period ?

A. *Iddat* of widowhood is 4 months and 10 days
B. the period of *Iddat* begins from the date when she comes to know of divorce and not from the date when divorce is pronounced
C. If the marriage is irregular and is consummated , the wife is under obligation to observe *Iddat*
D. If the wife observes *Iddat* husband is bound to maintain the wife during the period on *Iddat*
E. In case the wife is pregnant, period of *Iddat* extends till the delivery of the child.

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A, B, D and E only
2. A, C, D and E only
3. B, C, D and E only
4. B and D only

'इद्दत-अवधि' के बारे में निम्नांकित में से कौन सा कथन सही हैः

A. विधवा-अवस्था के दौरान इद्दत की अवधि 4 माह 10 दिन है।
B. इद्दत की अवधि उस तारीख से आरंभ होती है जब महिला को विवाह-विच्छेद का पता चलता है न कि विवाह विच्छेद की घोषणा किए जाने की तिथि से।
C. यदि विवाह अनियमित है और विवाहोत्तर संभोग होता है तो उस दशा में पत्नी इद्दत करने के लिए बाध्य होती है।
D. यदि पत्नी इद्दत करती है तो पति इद्दत की समयावधि के दौरान पत्नी का भरणपोषण करने के लिए बाध्य है।
E. यदि पत्नी गर्भवती हो जाए तो इद्दत की अवधि संतान के जन्म समय तक बढाई जा सकती है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल A, B, D, E
2. केवल A, C, D, E
3. केवल B, C, D, E
4. केवल B और D

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

98 58048

A. Uniting for peace Resolution was passed in 1950
B. Uniting for peace Resolution was passed by the General Assembly
C. Uniting for peace Resolution was passed by the Security Council
D. Maintenance of international peace and security is the primary responsibility of the Security Council
E. Maintenance of international peace and security is the primary responsibility of the General Assembly

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B and D only
2. A, B, C and D only
3. A, B, D and E only
4. A, B and E only

A. 'शांति के लिए एकत्व संकल्प 1950' में पारित हुआ।
B. शांति के लिए एकत्व संकल्प महासभा द्वारा पारित हुआ था।
C. शांति के लिए एकत्व संकल्प सुरक्षा परिषद द्वारा पारित हुआ था।
D. अंतरार्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा अक्षुण्ण बनाए रखना सुरक्षा परिषद का प्राथमिक उत्तरदायित्व है।
E. अंतरार्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा अक्षुण्ण बनाए रखना महासभा का प्राथमिक उत्तरदायित्व है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और D
2. केवल A, B, C, D
3. केवल A, B, D, E
4. केवल A, B, E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

99 | 58049 | Under article 51 of the Constitution of India the state is directed to endeavor to:

A. Promote international peace and security
B. Maintain just and honorable relations between nations
C. Foster respect for international law and treaty obligations
D. Protect and improve the environment and to safeguard forests
E. Encourage settlement of international disputes through arbitration

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B, C and D only
2. A, B, C and E only
3. B, C, D and E only
4. A, C, B and D only

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 के अधीन राज्य को निम्नलिखित का प्रयास करने का निदेश दिया गया है:

A. अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा की अभिवृद्धि करने
B. राष्ट्रों के मध्य न्यायोचित और सम्मानजनक संबंध बनाए रखना
C. अंतर्राष्ट्रीय विधि और संधि के बाध्यताओं (दायित्वों) के लिए सम्मान को प्रोत्साहित करना
D. पर्यावरण का संरक्षण और सुधार करना तथा वनों का संरक्षण
E. माध्यस्थम के द्वारा से अंतर्राष्ट्रीय विवादों के निस्तारण को बढावा देना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B, C, D
2. केवल A, B, C, E
3. केवल B, C, D, E
4. केवल A, C, B, D

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

100 58050 Which of the following can be registered as Trade Mark under the Trade Marks Act, 1999.?

A. RASOI for hydrogenated oil
B. JHOOMRITALAIA for pens
C. BANK for banking service
D. Square shape for tyres
E. Obscene matters (things)

Choose the correct answer from the options given below:

1. B only
2. A, B and D only
3. B and D only
4. C and E only

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 के अधीन निम्नांकित में से किसे/किन्हें ट्रेडमार्क के रूप में पंजीकृत किया जा सकता है?

A. हाइड्रोजन युक्त तेल के लिए रसोई
B. कलम के लिए झूमरी तलैया
C. बैंककारी सेवा के लिए बैंक
D. टायर के लिए वर्गाकार
E. अश्लील मामलें (चीजें)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल B
2. केवल A, B, D
3. केवल B, D
4. केवल C, E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

101 58051

The Corporate Social Responsibility (CSR) Committee of a Company carries out the following functions:

A. To appoint an individual or a firm as an auditor
B. To recommend a CSR Policy
C. To recommend the amount of expenditure for the indicated activities
D. To inspect the books of accounts during business hours
E. To monitor the CSR policy of the company from time to time.

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. B and D only
3. B, C and E only
4. B.C, D and E only

किसी कंपनी की कारपोरेट सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) समिति के निम्नांकित कृत्य हैंः

A. किसी व्यक्ति या प्रतिष्ठान की लेखापरीक्षक के रूप में नियुक्ति
B. सी.एस.आर. नीति की सिफारिश करना
C. निर्दिष्ट कार्यकलाप के लिए व्यय की रकम की सिफारिश करना
D. कार्य के घंटों के दौरान खाताबही का निरीक्षण करना
E. समय-समय पर कंपनी की सी.एस.आर. नीति का प्रबोधन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल A, B और C
2. केवल B और D
3. केवल B, C और E
4. केवल B, C, D और E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

102 58052

In order to convert a proposal into a promise , the acceptance must be:

A. Absolute
B. Unqualified
C. Conditional
D. Random
E. Expressed in some usual and reasonable manner

Choose the correct answer from the options given below:

1. A and B only
2. A and C only
3. A, B and E only
4. B, C and D only

किसी प्रस्ताव को बचन में सम्परिवर्तित करने के लिए स्वीकार्य होना चाहिएः

A. आत्यंतिक
B. अविशोषित
C. सशर्त
D. यादृच्छिक
E. कुछ प्रायिक और समुचित तरीके में अभिव्यक्त

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल A और B
2. केवल A और C
3. केवल A, B और E
4. केवल B, C और D

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

103 58053

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion A: The Criminal Law Amendment Act, 2013 was a result of the public outrage

Reason R: Society forces the law to accept the change

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below.

1. Both A and R are true and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are true but R is NOT the correct explanation of A
3. A is true but R is false
4. A is false but R is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में;
अभिकथन A: आपराधिक विधि संशोधन अधिनियम, 2013 जनाक्रोश का परिणाम था।
कारण R: समाज परिवर्तन को स्वीकार करने के लिए विधि प्रवृत्त करती है।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है, लेकिन R असत्य है
4. A असत्य है, लेकिन R सत्य है

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

104 58054 Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Select the correct answer using the codes given below

Assertion A: Rights to pollution free air and clean water are attributes of the right of a dignified life.

Reason R: These rights are the basic elements that sustain the life.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below.

1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are correct and R is NOT the correct explanation of A
3. A is correct but R is not correct
4. A is not correct but R is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में;

नीचे दिए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए
अभिकथन A: प्रदूषण मुक्त वायु और स्वच्छ जल का अधिकार गरिमामय जीवन के अधिकार के अपरूप हैं।
कारण R: यह अधिकार मूलभूत तत्त्व हैं जिनसे जीवन की संधारणीयता होती है।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है, लेकिन R सही नहीं है
4. A सही नहीं है, लेकिन R सही है

A1: 1

1

A2: 2

2

A3 3

:

3

A4: 4

4

Objective Question

105 58055

A. For State Legislature, Constitutional provisions for special address of the Governor, is in article 176
B. For State Legislature the Constitutional provisions for Oath or affirmation by members is in 109.
C. For State Legislature the special procedure in respect of Money Bill is covered by article 198.
D. For State Legislature provisions as to introduction and passing of bills is given in article 196.
E. For State Legislature provision for disqualifications for membership are given in article 190.

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. B, C and D only
3. A, D and E only
4. A, C and D only

A. राज्य विधान मंडल के लिए राज्यपाल के विशेष अभिभाषण का संवैधानिक उपबंध अनुच्छेद 176 में है।
B. राज्य विधानमंडल के लिए सदस्यों द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान का संवैधानिक उपबंध अनुच्छेद 189 में है।
C. राज्य विधानमंडल के लिए धन विधेयक के संबंध में विशेष प्रक्रिया का उल्लेख अनुच्छेद 198 में है।
D. राज्य विधानमंडल के लिए विधेयकों का पुर्नस्थापन और इन्हें पारित किए जाने संबंधी उल्लेख अनुच्छेद 196 में है।
E. राज्य विधानमंडल के लिए सदस्यता की निरर्हरता संबंधी उपबंध का उल्लेख अनुच्छेद 190 में हे।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल A, D और E
4. केवल A, C और D

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

106 58056

The following fall under chapter IV (General Exceptions) of the Indian Penal Code, 1860

A. Act done by a person bound, or by mistake of fact believing himself to be bound , by law
B. Act of judge when acting judicially
C. Omission to assist public servant when bound by law to give assistance
D. International resistance or obstruction by a person to his lawful apprehension
E. Accident in doing a lawful act

Choose the correct answer from the options given below:

1. A and E only
2. A and B only
3. B only
4. A, B and E only

निम्नांकित भारतीय दण्ड संहिता 1860 के अध्याय IV (सामान्य अपवाद) के अंतर्गत आते है

A. किसी आबद्ध व्यक्ति द्वारा अथवा किसी तथ्य की भूल से स्वयं को विधि द्वारा कृत कार्य हेतु आबद्ध मानना
B. न्यायिक कार्य करने के क्रम में न्यायाधीश का कृत्य
C. सहायता देने के लिए विधि द्वारा आबद्ध होने की दशा में लोक सेवक की सहायता करने का लोप
D. किसी व्यक्ति द्वारा अपने विधिक आशंका से उत्पन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतिरोध या बाधा
E. कोई विधिपूर्ण कार्य करने में दुर्घटना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, E
2. केवल A, B
3. केवल B
4. केवल A, B

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

107 58057

A. Recognition de jure is final and once given cannot be withdrawn
B. Recognition de jure is not final
C. de facto recognition may be withdrawn
D. Withdrawal of recognition by a state because that state has ceased to be the State
E. Retroative recognition of a new government does not invalidate the acts of the previous de jure government

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, C and E only
2. B, C, D and E only
3. A, B , D and E only
4. A, C, D and E only

A. विधितः मान्यता अंतिम होती है और एक बार दिए जाने के बाद इसका समापहरण नहीं हो सकता है।
B. विधितः मान्यता अंतिम नहीं होती है।
C. मान्यता समपहृत हो सकती है।
D. मान्यता समापहरण का तात्पर्य है कि राज्य अब राज्य नहीं है।
E. नयी सरकार की पूर्वकालिक मान्यता से पूर्ववर्ती विधितः सरकार के कृत्यों की विधिमान्यता समाप्त नहीं होती है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, C, E
2. केवल B, C, D, E
3. केवल A, B, D, E
4. केवल A, C, D, E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

108 58058

A. Art. 2(4) of the UN Charter contains the proposition of the unilateral use of force or threat theory by states in their international relations.
B. There are no exception to the above
C. UN Charter makes an exception to Art. 2(4) in individual and collective self defense as in Art. 51.
D. States may use or encourage the use of economic and political measures to coerce another state.
E. States have a duty to refrain from propaganda for wars of aggression

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A, B, D and E only
2. A, C , D and E only
3. A, C and E only
4. B, C, D and E only

A. संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2 (4) में देशों द्वारा अपने अन्तरराष्ट्रीय संबंध में बल या धमकी के एक पक्षीय प्रयोग का प्रतिषेध अंतर्विष्ट है।
B. उपर्युक्त से कोई छूट नहीं है।
C. संयुक्त राष्ट्र चार्टर में अनुच्छेद 51 में यथा अंतर्विष्ट व्यक्तिगत और सामूहिक आत्मरक्षा में अनुच्छेद 2 (4) से छूट दी गई है।
D. राज्य (देश) अन्य देश के प्रपीड़न के लिए आर्थिक एवं राजनीतिक परिमापों का प्रयोग कर सकता है या उसे बढ़ावा दे सकता है।
E. देशों का कर्तव्य है कि वे युद्ध या आक्रमण के प्रचार से परहेज करें

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B, D, E
2. केवल A, C, D, E
3. केवल A, C, E
4. केवल B, C, D, E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

109 58059

A. The preamble of the UN Charter says : "We the peoples, of the United Nations"
B. The preamble of the UN Charter says : "We the people of the United Nations"
C. Maintenance of international peace and security is the primary responsibility of the Security Council
D. Maintenance of International Peace and Security is the primary responsibility of the General Assembly
E. Maintenance of International Peace and Security is the primary responsibility of the International Court of justice.

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. B and C only
2. A and C only
3. A and D only
4. B and E only

A. संयुक्त राष्ट्र चार्टर की उद्देशिका में उल्लेख है "हम संयुक्त राष्ट्र की जनता"
B. संयुक्त राष्ट्र चार्टर की उद्देशिका में उल्लेख है। "हम संयुक्त राष्ट के लोग"
C. अन्तरर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना सुरक्षा परिषद का प्राथमिक दायित्व है।
D. अन्तरर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना महासभा का प्राथमिक दायित्व है।
E. अन्तरर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना आन्तरर्राष्ट्रीय न्यायालय का प्राथमिक दायित्व है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल B और C
2. केवल A और C
3. केवल A और D
4. केवल A और E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

110 58060

A. The International Bank for Reconstruction and Development (IBRD) is also called the World Bank.
B. The International Bank for Reconstruction and Development (IBRD) is also called the International Monetary Fund
C. The Dunkel Draft Act embodies the results of the Tokyo Round
D. The WTO provides for a Secretariat headed by a Director General
E. The WTO provides for a Secretariat headed by Secretary General

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A, C and E only
2. A and E only
3. A, C and D only
4. A and D only

A. अंतरर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (आई.बी.आर.डी.) को विश्व बैंक भी कहा जाता है।
B. अंतरर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (आई.बी.आर.डी.) को अंतरर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष भी कहा जाता है।
C. डंकल प्रारूप अधिनियम में टोक्यो - वार्ता के परिणाम सन्निहित हैं।
D. विश्व व्यापार संगठन में महानिदेशक के आधीन एक सचिवालय का उपबंध है।
E. विश्वव्यापार संगठन में एक सचिवालय का उपबंध है जिस के प्रधान महासचिव होते हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल A, C, E
2. केवल A और E
3. केवल A, C और D
4. केवल A और D

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

111 58061 With regards to cruelty under the Hindu Marriage Act, 1955 the following holds true

A. It is very difficult to define cruelty which can fit in all circumstances.
B. Cruelty can be physical and mental
C. Intention plays an important role in cases on cruelty
D. Cruelty should be aimed at the petitioner
E. The act complained of must be that of the respondent

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, C and E only
2. A and B only
3. A, B and D only
4. B, C and D only

हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 के अधीन क्रूरता के संबंध में निम्नांकित में से कौन से कथन सही हैं।

A. सभी परिस्थितियों के लिए उपयुक्त क्रूरता की परिभाषा देना अत्यंत कठिन है।
B. क्रूरता शारीरिक और मानसिक दोनों हो सकती है।
C. क्रूरता के मामलों में आशय की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।
D. क्रूरता का लक्ष्य याचिकाकर्ता पर होना चाहिए।
E. शिकायत किया गया कार्य प्रतिदायी द्वारा किया गया होना चाहिए।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल A, C, E
2. केवल A, B
3. केवल A, B, D
4. केवल B, C, D

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

112 58062

Under the Hindu Succession Act, 1956, heirs of a Hindu Male fall under following heasds

A. Class I heirs
B. Class II heirs
C. Sharers
D. Agnates
E. Cognates

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, C, D and E only
2. A and E only
3. A, B D and E only
4. A, D and E only

हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 के आधीन हिन्दू पुरुष का उत्तराधिकारी किस श्रेणी में आता है।

A. श्रेणी-I के उत्तराधिकारी
B. श्रेणी-II के उत्तराधिकारी
C. साझेदार
D. पितृवंशीय
E. सजातीय

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, C, D, E
2. केवल A, E
3. केवल A, B, D, E
4. केवल A, D, E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

113 58063

Following essentials are to be fulfilled for death to be called "Dowry death" under section 304 B of the Indian Penal Code.

A. Death of a women within 10 years of her marriage
B. fact of cruelty or harassment by her husband for or in connection with any demand for dowry
C. Fact of cruelty or harassment by any relative of her husband for or in connection with any demand for dowry
D. death of a women within 7 years of her marriage
E. "Dowry shall have the same meaning as in section 2 of the Dowry Prohibition Act,1961.

Choose the correct answer from the options given below:

1. B and D only
2. B, C, D and E only
3. A, B and E only
4. B, D and E only

भारतीय दंड संहिता की धारा 304 B के अधीन "दहेज के कारण मृत्यु" कहलाने के लिए मृत्यु के लिए निम्नांकित अनिवार्य तत्त्वों की पूर्ति होनी चाहिए -

A. विवाह के 10 वर्ष के भीतर महिला का निधन
B. महिला के पति द्वारा क्रूरता या उत्पीड़न का तथ्य अथवा दहेज की किसी माँग से संबंधित हो।
C. उसके पति के किसी संबंधी द्वारा की गई क्रूरता या उत्पीड़न जो दहेज की किसी मांग से संबंधित हो।
D. उसके विवाह के 7 वर्ष के भीतर महिला की मृत्यु।
E. दहेज का अभिप्राय वही होगा जैसा कि दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 की धारा 2 में उल्लेखित है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल B, D
2. केवल B, C, D, E
3. केवल A, B, E
4. केवल B, D, E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

114 58064 Constitutional remedies include:

A. Extraordinary remedies under Article 32 ad 226
B. Appeals to Supreme Court under Article 132 to 135
C. Appeals to High Court under Article 139 to 139 A
D. Transfer of cases to Supreme Court under Article 139 B
E. Advisory Jurisdiction under Article 143

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, C and D only
2. A, B and E only
3. B, C and D only
4. C, D and E only

संवैधानिक उपचारों में सम्मिलित हैः

1. अनुच्छेद 32 और 226 के अधीन असाधारण उपचार
2. अनुच्छेद 132 और 135 के अधीन उच्चतम न्यायालय में की गई अपील
3. अनुच्छेद 139 और 139 A के अधीन उच्च न्यायालय में की गई अपील
4. अनुच्छेद 139B में उच्चतम न्यायालय में वादों का स्थानांतरण
5. अनुच्छेद 143 के अधीन सलाहकारी अधिकारिता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल A, C, D
2. केवल A, B, E
3. केवल B, C, D
4. केवल C, D, E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

115 58065 Which of the following are fundamental rights?

A. Right not to remain employed
B. Right not to remain uneducated
C. Right not to remain unmarried
D. Right not to be killed without trial
E. Right not to change religion

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. B, D and E only
2. A, C and D only
3. A, D and E only
4. B, C and E only

निम्नांकित में से कौन से अधिकार मौलिक अधिकार हैः

A. बेरोजगार नहीं रहने का अधिकार
B. अशिक्षित नहीं रहने का अधिकार
C. अविवाहित नहीं रहने का अधिकार
D. बिना विचारण के नहीं मार दिये/जाने का अधिकार
E. धर्म परिवर्तन नहीं करने का अधिकार

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल B, D, E
2. केवल A, C, D
3. केवल A, D, E
4. केवल B, C, E

A1: 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

116 58066

Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	Soundness of mind	I.	Sec 14
B.	Fraud	II.	Sec 12
C.	Free consent	III.	Sec 11
D.	Competency to contract	IV.	Sec 17

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-II, B-IV, C-I, D-III
3. A-II, B-III, C-I, D-IV
4. A-II, B-IV, C-III, D-I

सूची I के साथ सूची II से मिलान कीजिए

LIST I		LIST II	
A.	मस्तिष्क की सक्षमता	I.	धारा-14
B.	कपट	II.	धारा-12
C.	स्वतंत्र सहमति	III.	धारा-11
D.	संविदा की अभिक्षमता (सक्षमता)	IV.	धारा-17

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-II, B-IV, C-I, D-III
3. A-II, B-III, C-I, D-IV
4. A-II, B-IV, C-III, D-I

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

117 58067

Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	Equal justice and free legal aid	I.	Article 39A
B.	Promotion of Cooperative societies	II.	Article 43
C.	Living wages etc for workers	III.	Article 43B
D.	Uniform Civil Code for citizens	IV.	Article 44

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-II, B-III, C-I, D-IV
2. A-III, B-I, C-II, D-IV
3. A-I, B-III, C-II, D-IV
4. A-I, B-II, C-III, D-IV

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	समान न्याय और निःशुल्क विधिक सहायता	I.	अनुच्छेद 39 A
B.	सहकारी समितियों का संवर्द्धन	II.	अनुच्छेद 43
C.	कर्मकारों के लिए जीवन निर्वाह मजदूरी इत्यादि	III.	अनुच्छेद 43 B
D.	नागरिकों के लिए समान सिविल संहिता	IV.	अनुच्छेद 44

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-II, B-III, C-I, D-IV
2. A-III, B-I, C-II, D-IV
3. A-I, B-III, C-II, D-IV
4. A-I, B-II, C-III, D-IV

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

118 58068 Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	*Eastern Book* Co v *D.B Modak* (2006, SC)	I.	Idea Expression Dichotomy
B.	*Bayer Corpn* v *Union of India*	II.	Minimum of creativity Test
C.	*R.G Anand* v *Deluxe Films* (1978 SC)	III.	Prior user Test
D.	*N.R Dongre* v *Whirlpool Corpn.* (1996 SC)	IV.	Compulsory license of patents

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-II, B-IV, C-I, D-III
3. A-IV, B-I, C-II, D-III
4. A-III, B-I, C-II, D-IV

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

	सूची I		सूची II
A.	इस्टर्न बुक कंपनी बनाम डी.बी. मोदक (2006, उच्चतम न्यायालय)	I.	आइडिया एक्सप्रेसन डाइकोटोमी
B.	बायर कॉर्पोरेशन बनाम भारत संघ (उच्चतम न्यायालय)	II.	न्यूनतम सृजनात्मकता परीक्षण
C.	आर.जी. आनंद बनाम डीलक्स फिल्म्स (1978, उच्चतम न्यायालय)	III.	प्रायिक प्रयोक्ता परीक्षण
D.	एन.आर. डोंगरे बनाम ह्वर्लपुल कॉर्पोरेशन (1996, उच्चतम न्यायालय)	IV.	पेटेन्ट का अनिवार्य अनुज्ञापन

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-II, B-IV, C-I, D-III
3. A-IV, B-I, C-II, D-III
4. A-III, B-I, C-II, D-IV

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

119 58069 Match List I with List II

	LIST I		LIST II
A.	Asymmetric crypto-system	I.	Neighboring rights
B.	Rome Convention	II.	Industrial Property
C.	Paris Convention, 1883	III.	Trademarks
D.	Madrid Protocol	IV.	Digital signature

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-IV, B-I, C-III, D-II
2. A-IV, B-II, C-I, D-III
3. A-IV, B-I, C-II, D-III
4. A-I, B-III, C-II, D-IV

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

	सूची I		सूची II
A.	असममितीय क्रिप्टो-प्रणाली	I.	संबंधित (पड़ोसी) अधिकार
B.	रोम अभिसमय	II.	औद्योगिक संपदा
C.	पेरिस अभिसमय, 1883	III.	व्यापार चिह्न
D.	मैड्रिड नवाचार (प्रोटोकॉल)	IV.	डिजीटल हस्ताक्षर

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-IV, B-I, C-III, D-II
2. A-IV, B-II, C-I, D-III
3. A-IV, B-I, C-II, D-III
4. A-I, B-III, C-II, D-IV

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

120 58070

Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	Rule of specialty	I.	Importance of the works of jurists
B.	Paquete Habana	II.	Extradition
C.	Barcelona Traction case	III.	Sources of International Law are not hierarchical but complimentary and inter related
D.	*Nicara Gua* v *USA*	IV.	Equity and Justice

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-II, B-I, C-IV, D-III
2. A-III, B-II, C-I, D-IV
3. A-II, B-III, C-IV, D-I
4. A-II, B-IV, C-III, D-I

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	रुल ऑफ स्पेशिएलीटी	I.	न्यायविदों की कृतियों का महत्त्व
B.	पैकेट हबाना	II.	प्रत्यर्पण
C.	बार्सिलोना ट्रैक्शन केस	III.	अन्तरर्राष्ट्रीय विधि के स्रोत पदानुक्रम में न होकर पूरक और परस्पर संबद्ध होते है।
D.	निकरगुआ बनाम सं. रा. अमेरिका	IV.	साम्य और न्याय

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-II, B-I, C-IV, D-III
2. A-III, B-II, C-I, D-IV
3. A-II, B-III, C-IV, D-I
4. A-II, B-IV, C-III, D-I

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

121 58071

Match List I with List II

	LIST I		LIST II
A.	Kyto Treaty on Climate Change	I.	1995
B.	International Convention on the Protection of the Rights of all Migrant Workers and members of Their Families	II.	1997
C.	SAARC Accord on Extradition	III.	1990
D.	WTO came into force in the year	IV.	1987

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-II, B-III, C-IV, D-I
2. A-IV, B-III, C-II, D-I
3. A-III, B-IV, C-II, D-I
4. A-II, B-I, C-IV, D-III

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

	सूची I		सूची II
A.	जलवायु परिवर्तन संबंधी क्योटा संधि	I.	1995
B.	सभी प्रवासी कर्मकार और उनके परिवार के सदस्यों के अधिकारों के संरक्षण संबंधी अंतरर्राष्ट्रीय अभिसमय	II.	1997
C.	प्रत्यर्पण संबंधी दक्षेस समझौता	III.	1990
D.	विश्व व्यापार संगठन जिस वर्ष प्रवर्तन में आया	IV.	1987

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-II, B-III, C-IV, D-I
2. A-IV, B-III, C-II, D-I
3. A-III, B-IV, C-II, D-I
4. A-II, B-I, C-IV, D-III

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

122 58072 Match List I with List II

	Provison		Section
A.	Restitution of conjugal rights	I.	Section 10, the Hindu Marriage Act, 1955
B.	Judicial separation	II.	Section 12, The Hindu Marriage Act, 1955
C.	No petition for divorce within one year of marriage	III.	Section 9, the Hindu Marriage Act, 1955
D.	Voidable marriage	IV.	Section 14, the Hindu Marriage Act, 1955

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-IV, B-III, C-I, D-II
2. A-III, B-I, C-IV, D-II
3. A-II, B-I, C-III, D-IV
4. A-III, B-II, C-IV, D-I

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

	सूची I (उपबंध)		सूची II (धारा)
A.	दाम्पत्य अधिकारों का प्रत्यास्थापन	I.	हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 10
B.	न्यायिक पृथक्करण	II.	हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 12
C.	विवाह के एक वर्ष के भीतर विवाह विच्छेद के लिए	III.	हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 9
D.	शून्यकरणीय विवाह	IV.	हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 14

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-IV, B-III, C-I, D-II
2. A-III, B-I, C-IV, D-II
3. A-II, B-I, C-III, D-IV
4. A-III, B-II, C-IV, D-I

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

123 58073 Match List I with List II

	LIST I		LIST II
A.	*State of Rajasthan* v. *G Chanda*	I.	Pith and substance
B.	*K.T Moopil Nair* v. *State of Kerala*	II.	Colourable Legislation
C.	*O.N Mahindroo* v. *Bar Council of Maharashtra & Goa*	III.	Repugnancy
D.	*M karunanidhi* v. *Union of India*	IV.	Harmonious construction

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-II, B-I, C-IV, D-III
3. A-IV, B-III, C-I, D-II
4. A-I, B-II, C-IV, D-III

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

	सूची I		सूची II
A.	राजस्थान राज्य बनाम जी. चावला	I.	सार एवं तत्व का सिद्ध
B.	के.टी. मूपिल नायर बनाम केरल राज्य	II.	छदम (आभासी) विधायन
C.	ओ.एन. महिन्द्र बनाम बॉर कौंसिल ऑफ महाराष्ट्र एंड गोवा	III.	विरोध की मात्रा तक
D.	एम. करुणानिधि बनाम भारत संघ	IV.	सामंजस्यपूर्ण अर्थान्वयन

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-II, B-I, C-IV, D-III
3. A-IV, B-III, C-I, D-II
4. A-I, B-II, C-IV, D-III

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

124 58074

Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	Rule of strict liability	I.	Slander
B.	Publication of a defamatory statement	II.	Rylands v Fletcher
C.	Defamatory representation made in some permanent form	III.	Act of God
D.	*Vis Major*	IV.	Libel

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-IV, B-I, C-II, D-III
2. A-I, B-II, C-III, D-IV
3. A-II, B-I, C-IV, D-III
4. A-II, B-IV, C-I, D-III

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	कठोरदायित्व	I.	अपमान वचन (अपवचन)
B.	मानहानिकारक कथन का प्रकाशन	II.	राइलैण्ड्स बनाम फ्लेचर
C.	कुछ स्थायी रूप में दिया गया मानहानिकारक कथन का प्रतिनिधित्व	III.	दैव कृत्य
D.	विस मेजर	IV.	अपमान लेख (अपलेख)

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-IV, B-I, C-II, D-III
2. A-I, B-II, C-III, D-IV
3. A-II, B-I, C-IV, D-III
4. A-II, B-IV, C-I, D-III

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

125 58075

Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	Natural guardians of a Hindu minor	I.	Section 8, Hindu Minority and Guardianship Act, 1956
B.	Powers of Natural Guardian	II.	Section 9, Hindu Minority and Guardianship Act, 1956
C.	Testamentary guardians and their powers	III.	Section 6, Hindu Minority and Guardianship Act, 1956
D.	Welfare of minor to be paramount consideration	IV.	Section 13, Hindu Minority and Guardianship Act, 1956

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-I, B-III, C-II, D-IV
2. A-III, B-I, C-II, D-IV
3. A-II, B-I, C-III, D-IV
4. A-IV, B-II, C-I, D-III

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	एक हिन्दू अवयस्क व्यक्ति स्वाभाविक संरक्षक	I.	हिन्दू अप्राप्तवयता और संरक्षकता अधिनियम, 1956 की धारा - 8
B.	स्वाभाविक संरक्षक की शक्तियां	II.	हिन्दू अप्राप्तवयता और संरक्षकता अधिनियम, 1956 की धारा - 9
C.	प्रामाणिक संरक्षक और उनकी शक्तियां	III.	हिन्दू अप्राप्तवयता और संरक्षकता अधिनियम, 1956 की धारा - 6
D.	अव्यस्क व्यक्ति का कल्याण सर्वोपरि है	IV.	हिन्दू अप्राप्तवयता और संरक्षकता अधिनियम, 1956 की धारा - 13

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-I, B-III, C-II, D-IV
2. A-III, B-I, C-II, D-IV
3. A-II, B-I, C-III, D-IV
4. A-IV, B-II, C-I, D-III

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

126 58076 Which is the correct chronological order (old to new) of the following judgements on appointment and transfer of judges?

A. *S.P. Gupta* v. *Union of India*
B. *Sakal Chand Seth* v. *Union of India*
C. *Special Reference No 1* of 1998
D. *Supreme court Advocates on Record Association* v. *Union of India*

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, C, B, D
2. B, A, D, C
3. D, B, C, A
4. A, B, C, D

न्यायाधीशों की नियुक्ति एवं स्थानान्तरण से संबंधित निम्नलिखित निर्णयों का सही कालानुक्रमिक (पुराना से नया) कौन सा है ?

A. एस.पी.गुप्ता बनाम भारत संघ
B. साँकल चंदसेठ बनाम भारत संघ
C. इन रि स्पेशल रेफरेंस नं. 1, 1998
D. सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑनरिकार्ड एसोसिएशन बनाम भारत संघ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. A, C, B, D
2. B, A, D, C
3. D, B, C, A
4. A, B, C, D

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

127 58077 Indicate the chronological order of the following

A. Treaty of westpholia
B. Kellogg Brand port
C. Brussels conference
D. Convention of the statutes of Refugees
E. Monterideo Convention

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B, C, E, D
2. A, E, B, C, D
3. A, C, E, B, D
4. A, C, B, E, D

निम्नलिखित का कालानुक्रम इंगित कीजिए:

A. वेस्टफेलिया की संधि
B. केलॉग ब्रिआर्ड पोर्ट
C. ब्रुसेल्स सम्मेलन
D. शरणार्थी दशा का अभिसमय
E. मोंटेरीडियो अभिसमय

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. A, B, C, E, D
2. A, E, B, C, D
3. A, C, E, B, D
4. A, C, B, E, D

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

128 58078

Indicate the chronological order in which the following cases were decided:

A. Fisheries jurisdiction (merit) case
B. Island of palmas Arbitration case
C. Numberg judgement
D. Right of pange on Indian Testing case
E. SS Lotus case

Choose the correct answer from the options given below:

1. B, E, C, D, A
2. B, C, D, E, A
3. E, B, C, D, A
4. E, C, D, B, A

निम्नलिखित वादों के विनिश्चय (निर्णय) के कालानुक्रम को इंगित कीजिएः

A. फिसरीज जूरिस्डिक्शन (मेरिट) वाद
B. आइजलैण्ड ऑफ पामास आर्बिट्रेशन वाद
C. न्यूरेम्बर्ग निर्णय
D. राइट ऑफ पैसेज ऑन इंडियन टेरिटरी वाद
E. एस एस लोटस वाद

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. B, E, C, D, A
2. B, C, D, E, A
3. E, B, C, D, A
4. E, C, D, B, A

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

129 58079

Arrange the correct sequence in which an application for grant of Patent will be considered:

A. Opposition under section 25(2) of the Patents Act, 1970
B. Publication of application
C. Filling of claims
D. Request for examination
E. Grant of patents

Choose the correct answer from the options given below:

1. B, D, C, A, E
2. B, A, C, D, E
3. C, B, D, E, A
4. C, A, B, D, E

पेटेंट की मंजूरी हेतु आवेदन, जिसमें उसका विचार होता है, को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

A. पेटेंट अधिनियम, 1970 की धारा 25(2) के अंतर्गत विरोध
B. आवेदन का प्रकाशन
C. दावा फाइल करना
D. परीक्षा हेतु निवेदन
E. पेटेंट की मंजूरी (ग्रॉंट)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. B, D, C, A, E
2. B, A, C, D, E
3. C, B, D, E, A
4. C, A, B, D, E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

130 58080 Indicate the chronological order in which the following cases were decided

A. ELCAMANN's case
B. Anglo Norwegian fisheries case
C. Anglo Iranian Oil Company case
D. Chorzow Factory case
E. Western Sahara Case

Choose the correct answer from the options given below:

1. D, C, A, B, E
2. D, B, C, A, E
3. D, A, C, B, E
4. D, A, B, C, E

निम्नलिखित केसों के निर्णय जिसमें हुए उस कालानुक्रम को इंगित कीजिए:

A. एल्कामान केस (वाद)
B. एंग्लो नार्वेजियन फिशरीज केस (वाद)
C. एंग्लो ईरानियन ऑयल कंपनी केस (वाद)
D. कार्जोव फैक्ट्री केस (वाद)
E. वेस्टर्न सहारा केस (वाद)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. D, C, A, B, E
2. D, B, C, A, E
3. D, A, C, B, E
4. D, A, B, C, E

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

131 58081 Arrange the expiry of the term of copyright in an ascending order in following cases:

A. A writes a book on 1.10.2000 and dies on 2.10. 2001
B. A book is written by an anonymous author and published on 1.10.2000. The identity of the author is disclosed on 2.11.2000, Author dies on 3.12.2000
C. A government work is published on 3.12.2000
D. Author dies on 3.12.2002 and his work published on 2.1.2003
E. A cinematograph film was published on 5.1.1999

Choose the correct answer from the options given below:

1. 5, 4, 3, 2, 1
2. 5, 3, 2, 1, 4
3. 5, 1, 2, 4, 3
4. 5, 3, 1, 2, 4

निम्नलिखित केसों में कॉपीरिट के पद की समाप्ति को आरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

A. A ने एक पुस्तक 1.10.2000 को लिखी और 2.10. 2001 को
B. एक पुस्तक एक अनजान लेखक द्वारा लिखी गई और 1.10.2000 को प्रकाशित हुई। लेखक की पहचान 2.11.2000 को प्राप्त हुई। लेखक 3.12.2002 को मर गया।
C. एक सरकारी कृति 3.12.2000 को प्रकाशित हुई।
D. लेखक 3.12.2002 को मर जाता है और उसकी कृति 2.1.2003 को प्रकाशित हुई।
E. एक चलचित्रदर्शी फिल्म 5.1.1999 को प्रकाशित हुई थी।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. E, D, C, B, A
2. E, C, B, A, D
3. E, A, B, D, C
4. E, C, A, B, D

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

132 58082

Matters covered under List I of the the Schedule VII of the Constitution:

A. Foreign Loan
B. Public health
C. Atomic energy
D. Public order
E. Insurance

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. A, C and E only
3. C, D and E only
4. B, C and D only

संविधान की VII अनुसूची के सूची I के अंतर्गत आने वाले मामले हैं:

A. विदेशी ऋण
B. सार्वजनिक स्वास्थ
C. परमाणु ऊर्जा
D. लोक व्यवस्था
E. बीमा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केलव A, B, C
2. केलव A, C, E
3. केलव C, D, E
4. केलव B, C, D

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

133 58083

Under Article 15 of the Constitution of India, special provisions can be made about:

A. Women and Children
B. Scheduled Tribes
C. Economically weaker sections
D. Socially backward classes
E. Linguistic minorities

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A,C , B and E only
2. B, C, D and E only
3. A, B, C and D only
4. A, B, C and E only

भारत के संविधान के अनुच्छेद 15 के अंतर्गत निम्नलिखित के बारे में विशेष उपबंध किये जा सकते हैं :

A. स्त्रियाँ और बालक
B. अनुसूचित जनजाति
C. आर्थिकरुप से कमज़ोर वर्ग
D. सामाजिक रुप से पिछड़ा वर्ग
E. भाषाई अल्पसँख्यक

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A,C , B और E
2. केवल B, C, D और E
3. केवल A, B, C और D
4. केवल A, B, C और E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

134 58084 Indicate the chronological order of the following'

A. Genocide Convention
B. Warsaw Pact
C. Montreal Convention of Hijacking
D. UN Convention on The Rights of the Child
E. Vienna Convention on Diplomatic Relations

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, C, B, E, D
2. A, E, B, C, D
3. A, B, E, C, D
4. A, B, C, E, D

निम्नलिखित का कालानुक्रम इंगित कीजिए :

A. नरसंहार अभिसमय
B. वार्सा समझौता (पैक्ट)
C. मांट्रियल हाइजैकिंग अभिसमय
D. संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार अभिसमय
E. राजनायिक संबंधों पर वियना अभिसमय

नीचे दिए गए विकल्पों से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, C, B, E, D
2. A, E, B, C, D
3. A, B, E, C, D
4. A, B, C, E, D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

135 58085 Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion A: "Laws may be unjust though being opposed to the divine good; such laws are the laws of tyrants laws of this kind must no wise be observed

Reason R: Exterment order is of no effect and its violation is no offence

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below.

1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are correct and R is NOT the correct explanation of A
3. A is correct but R is not correct
4. A is not correct but R is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैः एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रुप मेंः
अभिकथन A : विधि न्यायसंगत नहीं हो सकते है यद्यपि शाश्वत कल्याण के विरुद्ध होने के कारण ऐसी विधियाँ अत्याचारियों की विधियाँ हैं, इस प्रकार व विधियों का किसी भी प्रकार से पालन नहीं किया जाना चाहिए ।
कारण R : एकस्टर्नमेंट ऑर्डर का कोई प्रभाव नहीं होता है और इसका उल्लंघन कोई अपराध नहीं है ।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए ।

1. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सही है लेकिन R सही नहीं है
4. A सही नहीं है लेकिन R सही है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

136 58086

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion A: From a functional point of view ' an administrative tribunal is neither exclusively a judicial body nor exclusively an administrative body but is somewhere between the two'

Reason R: An administrative tribunal is not bound by strict rules of evidence and procedure

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below.

1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are correct and R is NOT the correct explanation of A
3. A is correct but R is not correct
4. A is not correct but R is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रुप में:
अभिकथन A : कृत्यात्मक दृष्टिकोण से एक प्रशासनिक अधिकरण न ही अनन्य रुप से न्यायिक निकाय है, न ही अनन्य रुप से प्रशासनिक निकाय है बल्कि इन दोनों का मध्यवर्ती है ।
कारण R : एक प्रशासनिक अधिकरण साक्ष्य और प्रक्रिया के कड़े (सख्त) नियमों द्वारा आबद्ध नही होता है ।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए ।

1. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सही है लेकिन R सही नहीं है
4. A सही नहीं है लेकिन R सही है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

137 58087

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion A: Multilateral treaties which declare the established customary international law may bind even non parties

Reason R: Art 38 of the Vienna Convention makes an exception to Article 34 or 37 of the Vienna Convention

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below.

1. Both A and R are true and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are true but R is NOT the correct explanation of A
3. A is true but R is false
4. A is false but R is true

नीचे दो कथन दिए गए हैंः एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रुप में:
अभिकथन A : बहुपक्षीय संधि जो धोषणा करती है कि सुस्थापित प्रचलित रुढिगत और आतरर्राष्ट्रीय विधि के अन्तर्गत गैर-पक्षकार भी आबद्ध किए जा सकते हैं ।
कारण R : वियना अभिसमय का अनुच्छेद 38 वियना अभसमय के अनुच्छेद 34 अथवा 37 का अपवाद है ।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए ।

1. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है लेकिन R असत्य है
4. A असत्य है लेकिन R सत्य है

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

138 58088

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion A: Mr X hands over a machine to Y, a common carrier , to deliver without any delay to the mill of Mr. X. Y unreasonably delays the delivery of the machine despite being informed that the mill is locked due to lack of machine. As a consequence Mr. X lose a government contract. He is entitled to receive compensation that includes the average amount of profit which he would have made during the time for which the delivery was delayed but not the loss sustained through the lose of the Government contract.

Reason R: Compensation for the loss or damage caused by breach of contract is not to be given for any remote and indirect loss or damage sustained due to such breach

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below.

1. Both A and R are true and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are true but R is NOT the correct explanation of A
3. A is true but R is false
4. A is false but R is true

नीचे दो कथन दिए गए हैंः एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रुप में:
अभिकथन A : मिस्टर 'X' एक कॉमन कैरिअर 'Y' को बिना किसी देरी के मिस्टर 'X' की मिल को प्रदायमी के लिए एक मशीन देता है। 'Y' यह सूचन पठने बावजूद उसे प्रदायगीकरने में अनुचित रूप से देरी करता है कि इस मशीन की कमी से उपरोक्त भिज बंद है। परिणामस्वरूप, मिस्टर 'X' सरकारी संविदा गवां देता है। वह प्रतिकार पाने का हकदार है, जिसमें लोम की औसत राशि सम्मिलित है, जो वह उस समय के दौरान बना लेता होता, जिसमें प्रदायगी में देरी हुई थी, लेकिन सरकारी संविदा की दानि के जरिए हुए हानि को नहीं.
कारण R : संविदा के भंग से हानि या क्षति का प्रतिकार इस प्रकार के भंग के कारण हुए किसी परोक्ष एवं अपरोक्ष हानि या क्षति के लिए नहीं दिया जाता।
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

1. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है लेकिन R असत्य है
4. A असत्य है लेकिन R सत्य है

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

139 58089 Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion A: The Supreme Court in *Dev Dutta* v *Union of India* (2008) emphasised that now transparency and good governance have bee added as a new dimension to natural justice which includes the duty to give reason

Reason R: Reason reassure that discretion has been exercised by the decision maker on relevant grounds and by disregarding extraneous considerations

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below.

1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are correct and R is NOT the correct explanation of A
3. A is correct but R is not correct
4. A is not correct but R is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैंः एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रुप में:

अभिकथन A : देव दत्त बनाम भारत संघ (2008) के वाद मे सर्वोच्च न्यालयने इस पर बल दिया है कि नैसर्गिक न्याय में पारदर्शिता और सुशासन के नये आयाम के रुप में जोड़ गया है जिसमें तर्क देने हेतु कर्तव्य शामिल है।
कारण R : तर्क इस बात कि पुष्टि करते हैं कि निर्देश प्रासंगिक आधारों पर निर्णयकर्ता द्वारा और असंबद्ध प्रतिफलों की अवहेलना करने द्वारा संपादित लिए जाते हैं।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए।

1. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है लेकिन R असत्य है
4. A असत्य है लेकिन R सत्य है

A1: 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

140 58090

Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion A: Art. 38 (2) of the Statute of the I.C.J states, that "Provision in Ar.t 38 (1) shall not prejudice the power, of the court to decide a case EX AEQUO ET BONO if parties agree thereto."

Reason R: EX AEQUO ET BONO enable the court to decide upon considerations of fair dealing and good faith. Which may be independent or even contrary to law.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below.

1. Both A and R are true and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are true but R is NOT the correct explanation of A
3. A is true but R is false
4. A is false but R is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रुप में:
अभिकथन A : आई सी जे संविधि का अनुच्छेद 38(2) कहता है कि अनुच्छेद 38(1) का उपबंध एक्स दूक्यो एट बोनो मामले के विनिश्चय में यदि उस पर पक्षकार सहमत हो तो न्यायालय की शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।
कारण R : 'एक्स ए इ क्यो एट बोनी' निष्पक्ष संव्यवहार और सदाशयता के प्रतिफल जो कि विधि से स्वतंत्र अथवा विपरित भी हो सकते हैं इस पर विनिश्चिय के लिए न्यायालय को शक्ति देता है ।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए ।

1. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है लेकिन R असत्य है
4. A असत्य है लेकिन R सत्य है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

141 58091

Read the following passage carefully and answer the question.

One is that power should not be exercised arbitrarily. This has meant that it should be exercised for the purpose for which it has been conferred. It also means that power should be exercised with in the statutory ambit; and purported exercise of it would not just be ultra vires, but in true sense of the term arbitrary. Simple negation of arbitrariness is, however, not enough to preserve the Rule of Law values. Indian courts have gone further to insists on specific positive content of the Rule of Law obligations. These include the rules of nature justice which have to be followed not just in quasi-judicial action but often also in purely administrative action. The scope and content of the requirements of natural justice have varied from time to time according to the judicial interpretation, but the board insistence remains. In addition, access to information as to the grounds of decision has remained an important preoccupation of the Indian judiciary, as any impediments to it have the tendency of obstructing judicial review of administrative action.
This means that the courts have from time to time insisted that exercise of administrative power be accompanied by reasons, although the exact status of the obligation to give reason is as yet indeterminate. The Rule of Law notion has been in addition consistently extended to secure for the individual fair dealing by the state in its economic activities.

Under what circumstances powers should be exersised arbitrarily?

1. under limited circumstances
2. Under unlimited circumstances
3. Under no circumstances
4. As per the policy of the government

निम्नलिखित गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़े और प्रश्न के उत्तर दीजिए :

एक यह है कि, शक्ति का मनमाने ढंग से प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए । इसका अर्थ यह है कि उसका उस प्रयोजन के लिए प्रयोग किया जाना चाहिए, जिसके लिए यह प्रदत्त किया गया है । इसका यह भी अर्थ है कि शक्ति का संविधिक क्षेत्र भीरत प्रयोग किया जाना चाहिए ; और उसका तात्पार्यत प्रयोग न सिर्फ अधिकारातीत होगा, बल्कि 'मनमाने' शब्द के अर्थ में भी सही होगा । लेकिन, माध्यस्थन की साधारण रूप से अस्वीकृति विधि के शासन के मूल्यों के संरक्षण के लिए पर्याप्त नहीं है। भारतीय न्यायालयों ने इससे आगे बढ़ कर विधि के शासन की विशिष्ट सकारात्मक विषयवस्तु पर बल दिया है। इसमें नैसर्गिक न्याय के नियम शामिल हैं, जिनका न सिर्फ अर्द् न्यायिक कार्यवाई, बल्कि विशुद्ध रुप से प्रशासनिक कार्यवाई मे भी पालन किया जाना चाहिए । न्यायिक व्याख्या के अनुसार नैसर्गिक न्याय की आवश्यकताओं का कार्य-क्षेत्र और विषयवस्तु समय-समय पर भिन्न-भिन्न रही हैं, लेकिन इन पर व्यापक रुप से बल बना रहता हैं । इसके अतिरिक्त, निर्णय के आधार के रुप में सूचना तक पहूँच भारतीय न्यायपालिका की पहले से ही एक महत्त्वपूर्ण व्यस्तता रही है क्योंकि इसमें किसी भी विध्न की प्रशासनिक कार्यवाई की न्यायिक समीक्षा में बाधा डालने की प्रवृत्ति होती है ।

इसका अर्थ है कि न्यायालयों ने समय-समय पर बल दिया है कि प्रशासनिक शक्ति का प्रयोग कारण के साथ देना चाहिए, यद्यपि इस दायित्व की ठीक-ठीक स्थिति का कारण देना अभी भी अनवधार्य है। साथ ही राज्य ने अपने आर्थिक क्रियाकलायों की प्राप्ति लिए विधि के शासन की धारणा का निरंतर विस्तार किया है ।

किन परिस्थितियों में शक्ति का मनमाने ढंग से प्रयोग किया जाना चाहिए :

1. सीमित परिस्थितियों में
2. असीमित परिस्थितियों में
3. किसी भी परिस्थिति में नहीं
4. सरकार की नीति के अनुसार

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

142 58092

Read the following passage carefully and answer the question.

One is that power should not be exercised arbitrarily. This has meant that it should be exercised for the purpose for which it has been conferred. It also means that power should be exercised with in the statutory ambit; and purported exercise of it would not just be ultra vires, but in true sense of the term arbitrary. Simple negation of arbitrariness is, however, not enough to preserve the Rule of Law values. Indian courts have gone further to insists on specific positive content of the Rule of Law obligations. These include the rules of nature justice which have to be followed not just in quasi-judicial action but often also in purely administrative action. The scope and content of the requirements of natural justice have varied from time to time according to the judicial interpretation, but the board insistence remains In addition, access to information as to the grounds of decision has remained an important preoccupation of the Indian judiciary, as any impediments to it have the tendency of obstructing judicial review of administrative action.
This means that the courts have from time to time insisted that exercise of administrative power be accompanied by reasons, although the exact status of the obligation to give reason is as yet indeterminate. The Rule of Law notion has been in addition consistently extended to secure for the individual fair dealing by the state in its economic activities.

Rule of Law implies

1. No one is above law
2. Some people are above law
3. Everybody is above law
4. Only Government is above law

निम्नलिखित गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़े और प्रश्न के उत्तर दीजिए :

एक यह है कि, शक्ति का मनमाने ढंग से प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए । इसका अर्थ यह है कि उसका उस प्रयोजन के लिए प्रयोग किया जाना चाहिए, जिसके लिए यह प्रदत्त किया गया है । इसका यह भी अर्थ है कि शक्ति का संविधिक क्षेत्र भीरत प्रयोग किया जाना चाहिए ; और उसका तात्पार्यत प्रयोग न सिर्फ अधिकारातीत होगा, बल्कि 'मनमाने' शब्द के अर्थ में भी सही होगा । लेकिन, माध्यस्थन की साधारण रूप से अस्वीकृति विधि के शासन के मूल्यों के संरक्षण के लिए पर्याप्त नहीं है। भारतीय न्यायालयों ने इससे आगे बढ़ कर विधि के शासन की विशिष्ट सकारात्मक विषयवस्तु पर बल दिया है। इसमें नैसर्गिक न्याय के नियम शामिल हैं, जिनका न सिर्फ अर्द्द न्यायिक कार्यवाई, बल्कि विशुद्ध रुप से प्रशासनिक कार्यवाई मे भी पालन किया जाना चाहिए । न्यायिक व्याख्या के अनुसार नैसर्गिक न्याय की आवश्यकताओं का कार्य-क्षेत्र और विषयवस्तु समय-समय पर भिन्न-भिन्न रही हैं, लेकिन इन पर व्यापक रुप से बल बना रहता हैं । इसके अतिरिक्त, निर्णय के आधार के रुप में सूचना तक पहूँच भारतीय न्यायपालिका की पहले से ही एक महत्त्वपूर्ण व्यस्तता रही है क्योंकि इसमें किसी भी विध्न की प्रशासनिक कार्यवाई की न्यायिक समीक्षा में बाधा डालने की प्रवृत्ति होती है ।

इसका अर्थ है कि न्यायालयों ने समय-समय पर बल दिया है कि प्रशासनिक शक्ति का प्रयोग कारण के साथ देना चाहिए, यद्यपि इस दायित्व की ठीक-ठीक स्थिति का कारण देना अभी भी अनवधार्य है। साथ ही राज्य ने अपने आर्थिक क्रियाकलायों की प्राप्ति लिए विधि के शासन की धारणा का निरंतर विस्तार किया है ।

'विधि शासन' में अंर्तानहित है ः

1. कोई भी विधि के उपर नही है
2. कुछ व्यक्ति विधि से ऊपर होते हैं
3. प्रत्येक व्यक्ति विधि से ऊपर हैं
4. केवल सरकार विधि से ऊपर है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

143 58093

Read the following passage carefully and answer the question.

One is that power should not be exercised arbitrarily. This has meant that it should be exercised for the purpose for which it has been conferred. It also means that power should be exercised with in the statutory ambit; and purported exercise of it would not just be ultra vires, but in true sense of the term arbitrary. Simple negation of arbitrariness is, however, not enough to preserve the Rule of Law values. Indian courts have gone further to insists on specific positive content of the Rule of Law obligations. These include the rules of nature justice which have to be followed not just in quasi-judicial action but often also in purely administrative action. The scope and content of the requirements of natural justice have varied from time to time according to the judicial interpretation, but the board insistence remains In addition, access to information as to the grounds of decision has remained an important preoccupation of the Indian judiciary, as any impediments to it have the tendency of obstructing judicial review of administrative action.
This means that the courts have from time to time insisted that exercise of administrative power be accompanied by reasons, although the exact status of the obligation to give reason is as yet indeterminate. The Rule of Law notion has been in addition consistently extended to secure for the individual fair dealing by the state in its economic activities.

Rule of law is:

1. Negation of arbitrariness
2. Oppsomal of arbitrariness
3. Simple negation of arbitrariness
4. Violation of natural justice

निम्नलिखित गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़े और प्रश्न के उत्तर दीजिए :

एक यह है कि, शक्ति का मनमाने ढंग से प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए । इसका अर्थ यह है कि उसका उस प्रयोजन के लिए प्रयोग किया जाना चाहिए, जिसके लिए यह प्रदत्त किया गया है । इसका यह भी अर्थ है कि शक्ति का संविधिक क्षेत्र भीरत प्रयोग किया जाना चाहिए ; और उसका तात्पार्यत प्रयोग न सिर्फ अधिकारातीत होगा, बल्कि 'मनमाने' शब्द के अर्थ में भी सही होगा । लेकिन, माध्यस्थन की साधारण रूप से अस्वीकृति विधि के शासन के मूल्यों के संरक्षण के लिए पर्याप्त नहीं है। भारतीय न्यायालयों ने इससे आगे बढ़ कर विधि के शासन की विशिष्ट सकारात्मक विषयवस्तु पर बल दिया है। इसमें नैसर्गिक न्याय के नियम शामिल हैं, जिनका न सिर्फ अर्द न्यायिक कार्यवाई, बल्कि विशुद्ध रुप से प्रशासनिक कार्यवाई मे भी पालन किया जाना चाहिए । न्यायिक व्याख्या के अनुसार नैसर्गिक न्याय की आवश्यकताओं का कार्य-क्षेत्र और विषयवस्तु समय-समय पर भिन्न-भिन्न रही हैं, लेकिन इन पर व्यापक रुप से बल बना रहता हैं । इसके अतिरिक्त, निर्णय के आधार के रुप में सूचना तक पहूँच भारतीय न्यायपालिका की पहले से ही एक महत्त्वपूर्ण व्यस्तता रही है क्योंकि इसमें किसी भी विध्न की प्रशासनिक कार्यवाई की न्यायिक समीक्षा में बाधा डालने की प्रवृत्ति होती है ।

इसका अर्थ है कि न्यायालयों ने समय-समय पर बल दिया है कि प्रशासनिक शक्ति का प्रयोग कारण के साथ देना चाहिए, यद्यपि इस दायित्व की ठीक-ठीक स्थिति का कारण देना अभी भी अनवधार्य है। साथ ही राज्य ने अपने आर्थिक क्रियाकलायों की प्राप्ति लिए विधि के शासन की धारणा का निरंतर विस्तार किया है ।

विधि शासन हैं :

1. मनमानेपन की अस्वीकृति
2. मनमानेपन का अनुमोदन
3. मनमानेपन की साधारण रूप से अस्वीकृति
4. नैसर्गिक न्याय का उल्लंघन

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

144 58094

Read the following passage carefully and answer the question.

One is that power should not be exercised arbitrarily. This has meant that it should be exercised for the purpose for which it has been conferred. It also means that power should be exercised with in the statutory ambit; and purported exercise of it would not just be ultra vires, but in true sense of the term arbitrary. Simple negation of arbitrariness is, however, not enough to preserve the Rule of Law values. Indian courts have gone further to insists on specific positive content of the Rule of Law obligations. These include the rules of nature justice which have to be followed not just in quasi-judicial action but often also in purely administrative action. The scope and content of the requirements of natural justice have varied from time to time according to the judicial interpretation, but the board insistence remains. In addition, access to information as to the grounds of decision has remained an important preoccupation of the Indian judiciary, as any impediments to it have the tendency of obstructing judicial review of administrative action.
This means that the courts have from time to time insisted that exercise of administrative power be accompanied by reasons, although the exact status of the obligation to give reason is as yet indeterminate. The Rule of Law notion has been in addition consistently extended to secure for the individual fair dealing by the state in its economic activities.

Specific positive content of the rule of law is

1. Must be complied with
2. may not be complied with
3. Complied in limited content
4. Complied under modified circumstances

निम्नलिखित गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़े और प्रश्न के उत्तर दीजिए :

एक यह है कि, शक्ति का मनमाने ढंग से प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए । इसका अर्थ यह है कि उसका उस प्रयोजन के लिए प्रयोग किया जाना चाहिए, जिसके लिए यह प्रदत्त किया गया है । इसका यह भी अर्थ है कि शक्ति का संविधिक क्षेत्र भीरत प्रयोग किया जाना चाहिए ; और उसका तात्पार्यत प्रयोग न सिर्फ अधिकारातीत होगा, बल्कि 'मनमाने' शब्द के अर्थ में भी सही होगा । लेकिन, माध्यस्थन की साधारण रूप से अस्वीकृति विधि के शासन के मूल्यों के संरक्षण के लिए पर्याप्त नहीं है। भारतीय न्यायालयों ने इससे आगे बढ़ कर विधि के शासन की विशिष्ट सकारात्मक विषयवस्तु पर बल दिया है। इसमें नैसर्गिक न्याय के नियम शामिल हैं, जिनका न सिर्फ अर्द् न्यायिक कार्यवाई, बल्कि विशुद्ध रुप से प्रशासनिक कार्यवाई मे भी पालन किया जाना चाहिए । न्यायिक व्याख्या के अनुसार नैसर्गिक न्याय की आवश्यकताओं का कार्य-क्षेत्र और विषयवस्तु समय-समय पर भिन्न-भिन्न रही हैं, लेकिन इन पर व्यापक रुप से बल बना रहता हैं । इसके अतिरिक्त, निर्णय के आधार के रुप में सूचना तक पहूँच भारतीय न्यायपालिका की पहले से ही एक महत्त्वपूर्ण व्यस्तता रही है क्योंकि इसमें किसी भी विघ्न की प्रशासनिक कार्यवाई की न्यायिक समीक्षा में बाधा डालने की प्रवृत्ति होती है ।

इसका अर्थ है कि न्यायालयों ने समय-समय पर बल दिया है कि प्रशासनिक शक्ति का प्रयोग कारण के साथ देना चाहिए, यद्यपि इस दायित्व की ठीक-ठीक स्थिति का कारण देना अभी भी अनवधार्य है। साथ ही राज्य ने अपने आर्थिक क्रियाकलायों की प्राप्ति लिए विधि के शासन की धारणा का निरंतर विस्तार किया है ।

'विधि शासन' की विशिष्ट विषयवस्तु :

1. का अनिवार्यत : पालन किया जाना चाहिए ।
2. का पालन नहीं किया जा सकता है ।
3. सीमित विषयवस्तु में पालन किया जाता है ।
4. रूपांतरित परिस्थितियों में पालन किया जाता है ।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

145 58095

Read the following passage carefully and answer the question.

One is that power should not be exercised arbitrarily. This has meant that it should be exercised for the purpose for which it has been conferred. It also means that power should be exercised with in the statutory ambit; and purported exercise of it would not just be ultra vires, but in true sense of the term arbitrary. Simple negation of arbitrariness is, however, not enough to preserve the Rule of Law values. Indian courts have gone further to insists on specific positive content of the Rule of Law obligations. These include the rules of nature justice which have to be followed not just in quasi-judicial action but often also in purely administrative action. The scope and content of the requirements of natural justice have varied from time to time according to the judicial interpretation, but the board insistence remains In addition, access to information as to the grounds of decision has remained an important preoccupation of the Indian judiciary, as any impediments to it have the tendency of obstructing judicial review of administrative action.
This means that the courts have from time to time insisted that exercise of administrative power be accompanied by reasons, although the exact status of the obligation to give reason is as yet indeterminate. The Rule of Law notion has been in addition consistently extended to secure for the individual fair dealing by the state in its economic activities.

Rule of Law notion is extended to secure

1. fair dealing by State in limited activities
2. fair dealing by State in all its activities
3. fair dealing by State only in the economic activities
4. State has no concern

निम्नलिखित गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़े और प्रश्न के उत्तर दीजिए :

एक यह है कि, शक्ति का मनमाने ढंग से प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए । इसका अर्थ यह है कि उसका उस प्रयोजन के लिए प्रयोग किया जाना चाहिए, जिसके लिए यह प्रदत्त किया गया है । इसका यह भी अर्थ है कि शक्ति का संविधिक क्षेत्र भीरत प्रयोग किया जाना चाहिए ; और उसका तात्पार्यत प्रयोग न सिर्फ अधिकारातीत होगा, बल्कि 'मनमाने' शब्द के अर्थ में भी सही होगा । लेकिन, माध्यस्थन की साधारण रूप से अस्वीकृति विधि के शासन के मूल्यों के संरक्षण के लिए पर्याप्त नहीं है। भारतीय न्यायालयों ने इससे आगे बढ़ कर विधि के शासन की विशिष्ट सकारात्मक विषयवस्तु पर बल दिया है। इसमें नैसर्गिक न्याय के नियम शामिल हैं, जिनका न सिर्फ अर्द् न्यायिक कार्यवाई, बल्कि विशुद्ध रुप से प्रशासनिक कार्यवाई मे भी पालन किया जाना चाहिए । न्यायिक व्याख्या के अनुसार नैसर्गिक न्याय की आवश्यकताओं का कार्य-क्षेत्र और विषयवस्तु समय-समय पर भिन्न-भिन्न रही हैं, लेकिन इन पर व्यापक रुप से बल बना रहता हैं । इसके अतिरिक्त, निर्णय के आधार के रुप में सूचना तक पहूँच भारतीय न्यायपालिका की पहले से ही एक महत्त्वपूर्ण व्यस्तता रही है क्योंकि इसमें किसी भी विघ्न की प्रशासनिक कार्यवाई की न्यायिक समीक्षा में बाधा डालने की प्रवृत्ति होती है ।

इसका अर्थ है कि न्यायालयों ने समय-समय पर बल दिया है कि प्रशासनिक शक्ति का प्रयोग कारण के साथ देना चाहिए, यद्यपि इस दायित्व की ठीक-ठीक स्थिति का कारण देना अभी भी अनवधार्य है। साथ ही राज्य ने अपने आर्थिक क्रियाकलायों की प्राप्ति लिए विधि के शासन की धारणा का निरंतर विस्तार किया है ।

'विधि के शासन' की धारणा का किसकी प्राप्ति के लिए विस्तार किया गया है :

1. राज्य द्वारा सीमित क्रियाकलायों मे उचितसंव्यवहार
2. राज्य द्वारा सभी क्रियाकलायों में उचितसंव्यवहार
3. राज्य द्वारा केवल आर्थिक क्रियाकलायों में उचित संव्यवहार
4. राज्य का कोई सरोकार नहीं हैं ।

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

146 58096

Read the passage carefully and answer the question.

"Where a legal wrong or legal injury is caused to a person or to a determinate class of person by reason of violation of any Constitutional or Legal right and such person or determinate class of persons is by reason of poverty, helplessness or disability or socially or economically disadvantaged position unable to approach the court for relief, any member of the public can maintain an application for an appropriate direction or order or writ in the High Court under Article 226 or in case of breach of any Fundamental Right to this court under Article 32. Where the weaker section of the community are concerned such as undertrial prisoners languishing in jails without a trial, inmates of the protective Home in Agra , or Harijan workers engaged in road construction in the District of Ajmer, who are living in poverty and desolation, who are barely eking out a miserable existence with their sweat and toil, who are helpless victims of an exploitative society and who do not have easy access to justice, the Supreme Court will not insist on a regular writ petition to be filed by the public spirited individual espousing their cause and seeking relief for them. The Supreme court will readily respond to the letter addressed by such individual acting *pro bono piblico*. It is true that there are rules made by the Supreme Court prescribing the procedure for moving it for relief under Article 32 and they require various formalities to be gone through by a person seeking to approach it. But it must not be forgotten that procedure is but a handmaid of justice and the cause of justice may never be allowed to be wasted by any procedural technicalities. The Court will therefore unhesitatingly cast aside the technical rules of procedure in the exercise of its dispensing power and treat the letter of the public minded individual as a writ-petition and act upon it."

Choose the first case in which the Public Interest Litigation (PIL) was invoked:

1. *Sheela Barse* v. *UOI*
2. *Bandua Mukti Morcha* v. *UOI*
3. *P.U.D.R* v. *UOI*
4. *Mumbai Kamgar Sabha* v. *Abdul Bhai*

निम्नलिखित गद्यांश के सावधानीपूर्वक पढ़े और दिए गए वस्तु-वस्तु से संबंधित तथ्य के आधार पर प्रश्न के उत्तर दीजिए :

जहां किसी व्यक्ति अथवा किसी व्यक्ति पर्यवासित समूह को कोई विधिक त्रुटि होती है या उन्हें कोई विधिक क्षति पहुंचती है और इसका कारण किसी संवैधानिक अथवा विधिक अधिकार का उल्लंघन है और ऐसा व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का पर्यवासित समूह निर्धनता, बेबसी या निःशक्तता या सामाजिक अथवा आर्थिक दृष्टि से उपेक्षित दशा में है और राहत के लिए न्यायालय तक नहीं पहुंच सकता है तो एसी दशा में तो उस समूह में से कोई भी व्यक्ति किर समुपयुक्त निदेश या आदेश अथवा अनुच्छेद 226 के अधीन रिट के निमित्त उच्च न्यायालय में आवेदन (प्रार्थना पत्र) प्रस्तुत कर सकता है अथवा किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन होने की दशा में अनुच्छेद 32 के अधीन उच्चतम न्यायालय का उपागम ले सकती है ।

जहां समुदाय के कमजोर तबके यथा बिना विचारण के जेलों में पड़े हुए पैरवी, आगार स्थित संरक्षण गृह में अभिरक्षा में रखे गए व्यक्तियों अथवा गरीबी म जीवन व्यतीत कर रहे अजमेर जिले के सड़क निर्माण में कार्यरत हरिजन कर्मकार जो अपनी खून पसीना बहाकर किसी तरह गुजर बसर कर रहे है, जो शोषण कारी समाज के निस्सहाय पीड़ित हैं और जिन्हें न्याय प्राप्त करने का साधन सुलभतापूर्वक उपलब्ध नहीं है, का संबंध है, उच्चतम न्यायालय जनहित में कार्य करने वाले व्यक्ति द्वारा इन दुर्बल, निःसहाय और कमजोर तब के राहत देने के आशय से नियमित रिट याचिका दायर करने पर बल नहं देगा । उच्चतम न्यायालय जनहित में कार्य करने वाले ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रेषित पत्र का तत्काल प्रत्योत्तर देगा ।

यह सत्य है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा नियम बनाए गए है जिसमें अनुच्छेद 32 के अधीन राहत के लिए जनहित याचिका दायर करने की प्रक्रिया विहित भी की गई हैं और याचिका दायर करने वाले व्यक्ति को विभिन्न औपचारिकताओं से गुजरने की भी अपेक्षा की गई है। किन्तु इस बात को नहीं भूलना चाहिए कि प्रक्रिया (कार्यविधि) निश्चित तौर पर निर्धारित है, किन्तु यह केवल न्याय प्राप्ति का साधन मात्र है और न्याय प्राप्त के मार्ग में किसी भी प्रक्रियात्मक तकनीकी संबंधी अवयवों को प्रबाधक बनने की अनुमति नहीं दी जायेगी। अत एव न्यायालय अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिना किस झिझक के कार्य संचालन संबंधी तकनीकी प्रक्रियात्मक नियमों को शामिल करता है और जन हितैषी व्यक्ति द्वारा प्रेषित पत्र को रिट याचिका मानेगा है और इस पर कार्रवाई करेगा ।

उस सर्वप्रथम मामले को चुनिए, जिसमें जनहित याचिका (पी.आई.एल.) को लागू किया गया था :

1. शीला बार्से बनाम भारत संघ
2. बंधुआ मुक्ति मोर्चा बनाम भारत संघ
3. पी.यू.डी.आर. बनाम भारत संघ
4. मुंबई कामगार सभा बनाम अब्दुल भाई

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

147 58097 Read the passage carefully and answer the question.

"Where a legal wrong or legal injury is caused to a person or to a determinate class of person by reason of violation of any Constitutional or Legal right and such person or determinate class of persons is by reason of poverty, helplessness or disability or socially or economically disadvantaged position unable to approach the court for relief, any member of the public can maintain an application for an appropriate direction or order or writ in the High Court under Article 226 or in case of breach of any Fundamental Right to this court under Article 32. Where the weaker section of the community are concerned such as undertrial prisoners languishing in jails without a trial, inmates of the protective Home in Agra , or Harijan workers engaged in road construction in the District of Ajmer, who are living in poverty and desolation, who are barely eking out a miserable existence with their sweat and toil, who are helpless victims of an exploitative society and who do not have easy access to justice, the Supreme Court will not insist on a regular writ petition to be filed by the public spirited individual espousing their cause and seeking relief for them. The Supreme court will readily respond to the letter addressed by such individual acting *pro bono piblico*. It is true that there are rules made by the Supreme Court prescribing the procedure for moving it for relief under Article 32 and they require various formalities to be gone through by a person seeking to approach it. But it must not be forgotten that procedure is but a handmaid of justice and the cause of justice may never be allowed to be wasted by any procedural technicalities. The Court will therefore unhesitatingly cast aside the technical rules of procedure in the exercise of its dispensing power and treat the letter of the public minded individual as a writ-petition and act upon it."

PIL cases are :

1. Private Interest cases
2. Personal Interest cases
3. Public Interest cases
4. Permanent Interest cases

निम्नलिखित गद्यांश के सावधानीपूर्वक पढ़े और दिए गए वस्तु-वस्तु से संबंधित तथ्य के आधार पर प्रश्न के उत्तर दीजिए :

जहां किसी व्यक्ति अथवा किसी व्यक्ति पर्यवासित समूह को कोई विधिक त्रुटि होती है या उन्हें कोई विधिक क्षति पहुंचती है और इसका कारण किसी संवैधानिक अथवा विधिक अधिकार का उल्लंघन है और ऐसा व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का पर्यवासित समूह निर्धनता, बेबसी या निःशक्तता या सामाजिक अथवा आर्थिक दृष्टि से उपेक्षित दशा में है और राहत के लिए न्यायालय तक नहीं पहुंच सकता है तो एसी दशा में तो उस समूह में से कोई भी व्यक्ति किस समुपयुक्त निदेश या आदेश अथवा अनुच्छेद 226 के अधीन रिट के निमित्त उच्च न्यायालय में आवेदन (प्रार्थना पत्र) प्रस्तुत कर सकता है अथवा किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन होने की दशा में अनुच्छेद 32 के अधीन उच्चतम न्यायालय का उपागम ले सकती है ।

जहां समुदाय के कमजोर तबके यथा बिना विचारण के जेलों में पड़े हुए पैरवी, आगार स्थित संरक्षण गृह में अभिरक्षा में रखे गए व्यक्तियों अथवा गरीबी मे जीवन व्यतीत कर रहे अजमेर जिले के सड़क निर्माण में कार्यरत हरिजन कर्मकार जो अपनी खून पसीना बहाकर किसी तरह गुजर बसर कर रहे है, जो शोषण कारी समाज के निस्सहाय पीड़ित हैं और जिन्हें न्याय प्राप्त करने का साधन सुलभतापूर्वक उपलब्ध नहीं है, का संबंध है, उच्चतम न्यायालय जनहित में कार्य करने वाले व्यक्ति द्वारा इन दुर्बल, निःसहाय और कमजोर तब के राहत देने के आशय से नियमित रिट याचिका दायर करने पर बल नहीं देगा । उच्चतम न्यायालय जनहित में कार्य करने वाले ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रेषित पत्र का तत्काल प्रत्योत्तर देगा ।

यह सत्य है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा नियम बनाए गए है जिसमें अनुच्छेद 32 के अधीन राहत के लिए जनहित याचिका दायर करने की प्रक्रिया विहित भी की गई हैं और याचिका दायर करने वाले व्यक्ति को विभिन्न औपचारिकताओं से गुजरने की भी अपेक्षा की गई है। किन्तु इस बात को नहीं भूलना चाहिए कि प्रक्रिया (कार्यविधि) निश्चित तौर पर निर्धारित है, किन्तु यह केवल न्याय प्राप्ति का साधन मात्र है और न्याय प्राप्त के मार्ग में किसी भी प्रक्रियात्मक तकनीकी संबंधी अवयवों को प्रबाधक बनने की अनुमति नहीं दी जायेगी। अत एव न्यायालय अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिना किसी झिझक के कार्य संचालन संबंधी तकनीकी प्रक्रियात्मक नियमों को शामिल करता है और जन हितैषी व्यक्ति द्वारा प्रेषित पत्र को रिट याचिका मानेगा है और इस पर कार्रवाई करेगा ।

पी. आई. एल. मामले हैं :

1. निजी हित के मामले
2. वैयक्तिक हित के मामले
3. जन-हित के मामले
4. स्थायी हित के मामले

A1 :	1
	1
A2 :	2
	2
A3 :	3
	3
A4 :	4
	4

Objective Question

148 58098 Read the passage carefully and answer the question.

"Where a legal wrong or legal injury is caused to a person or to a determinate class of person by reason of violation of any Constitutional or Legal right and such person or determinate class of persons is by reason of poverty, helplessness or disability or socially or economically disadvantaged position unable to approach the court for relief, any member of the public can maintain an application for an appropriate direction or order or writ in the High Court under Article 226 or in case of breach of any Fundamental Right to this court under Article 32. Where the weaker section of the community are concerned such as undertrial prisoners languishing in jails without a trial, inmates of the protective Home in Agra , or Harijan workers engaged in road construction in the District of Ajmer, who are living in poverty and desolation, who are barely eking out a miserable existence with their sweat and toil, who are helpless victims of an exploitative society and who do not have easy access to justice, the Supreme Court will not insist on a regular writ petition to be filed by the public spirited individual espousing their cause and seeking relief for them. The Supreme court will readily respond to the letter addressed by such individual acting *pro bono piblico*. It is true that there are rules made by the Supreme Court prescribing the procedure for moving it for relief under Article 32 and they require various formalities to be gone through by a person seeking to approach it. But it must not be forgotten that procedure is but a handmaid of justice and the cause of justice may never be allowed to be wasted by any procedural technicalities. The Court will therefore unhesitatingly cast aside the technical rules of procedure in the exercise of its dispensing power and treat the letter of the public minded individual as a writ-petition and act upon it."

Under which Article of the constitution of India , one can maintain an application to the Supreme Court for an appropriate remedy in PIL cases:

1. Article 226
2. Article 21
3. Article 19
4. Article 32

निम्नलिखित गद्यांश के सावधानीपूर्वक पढ़े और दिए गए वस्तु-वस्तु से संबंधित तथ्य के आधार पर प्रश्न के उत्तर दीजिए :

जहां किसी व्यक्ति अथवा किसी व्यक्ति पर्यवासित समूह को कोई विधिक त्रुटि होती है या उन्हें कोई विधिक क्षति पहुंचती है और इसका कारण किसी संवैधानिक अथवा विधिक अधिकार का उल्लंघन है और ऐसा व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का पर्यवासित समूह निर्धनता, बेबसी या निःशक्तता या सामाजिक अथवा आर्थिक दृष्टि से उपेक्षित दशा में है और राहत के लिए न्यायालय तक नहीं पहुंच सकता है तो एसी दशा में तो उस समूह में से कोई भी व्यक्ति किस समुपयुक्त निदेश या आदेश अथवा अनुच्छेद 226 के अधीन रिट के निमित्त उच्च न्यायालय में आवेदन (प्रार्थना पत्र) प्रस्तुत कर सकता है अथवा किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन होने की दशा में अनुच्छेद 32 के अधीन उच्चतम न्यायालय का उपागम ले सकती है ।

जहां समुदाय के कमजोर तबके यथा बिना विचारण के जेलों में पड़े हुए पैरवी, आगार स्थित संरक्षण गृह में अभिरक्षा में रखे गए व्यक्तियों अथवा गरीबी म जीवन व्यतीत कर रहे अजमेर जिले के सड़क निर्माण में कार्यरत हरिजन कर्मकार जो अपनी खून पसीना बहाकर किसी तरह गुजर बसर कर रहे है, जो शोषण कारी समाज के निस्सहाय पीड़ित हैं और जिन्हें न्याय प्राप्त करने का साधन सुलभतापूर्वक उपलब्ध नहीं है, का संबंध है, उच्चतम न्यायालय जनहित में कार्य करने वाले व्यक्ति द्वारा इन दुर्बल, निःसहाय और कमजोर तब के राहत देने के आशय से नियमित रिट याचिका दायर करने पर बल नहीं देगा । उच्चतम न्यायालय जनहित में कार्य करने वाले ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रेषित पत्र का तत्काल प्रत्योत्तर देगा ।

यह सत्य है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा नियम बनाए गए है जिसमें अनुच्छेद 32 के अधीन राहत के लिए जनहित याचिका दायर करने की प्रक्रिया विहित भी की गई हैं और याचिका दायर करने वाले व्यक्ति को विभिन्न औपचारिकताओं से गुजरने की भी अपेक्षा की गई है। किन्तु इस बात को नहीं भूलना चाहिए कि प्रक्रिया (कार्यविधि) निश्चित तौर पर निर्धारित है, किन्तु यह केवल न्याय प्राप्ति का साधन मात्र है और न्याय प्राप्त के मार्ग में किसी भी प्रक्रियात्मक तकनीकी संबंधी अवयवों को प्रबाधक बनने की अनुमति नहीं दी जायेगी। अत एव न्यायालय अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिना किस झिझक के कार्य संचालन संबंधी तकनीकी प्रक्रियात्मक नियमों को शामिल करता है और जन हितैषी व्यक्ति द्वारा प्रेषित पत्र को रिट याचिका मानेगा है और इस पर कार्रवाई करेगा ।

भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत कोई व्यक्ति पी. आई. एल. के मामलों में किस उपयुक्त उपचार के लिए सर्वोच्च न्यायालय को एक आवेदन दे सकता है :

1. अनुच्छेद-226
2. अनुच्छेद-21
3. अनुच्छेद-19
4. अनुच्छेद-32

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

149 58099

Read the passage carefully and answer the question.

"Where a legal wrong or legal injury is caused to a person or to a determinate class of person by reason of violation of any Constitutional or Legal right and such person or determinate class of persons is by reason of poverty, helplessness or disability or socially or economically disadvantaged position unable to approach the court for relief, any member of the public can maintain an application for an appropriate direction or order or writ in the High Court under Article 226 or in case of breach of any Fundamental Right to this court under Article 32. Where the weaker section of the community are concerned such as undertrial prisoners languishing in jails without a trial, inmates of the protective Home in Agra , or Harijan workers engaged in road construction in the District of Ajmer, who are living in poverty and desolation, who are barely eking out a miserable existence with their sweat and toil, who are helpless victims of an exploitative society and who do not have easy access to justice, the Supreme Court will not insist on a regular writ petition to be filed by the public spirited individual espousing their cause and seeking relief for them. The Supreme court will readily respond to the letter addressed by such individual acting *pro bono piblico*. It is true that there are rules made by the Supreme Court prescribing the procedure for moving it for relief under Article 32 and they require various formalities to be gone through by a person seeking to approach it. But it must not be forgotten that procedure is but a handmaid of justice and the cause of justice may never be allowed to be wasted by any procedural technicalities. The Court will therefore unhesitatingly cast aside the technical rules of procedure in the exercise of its dispensing power and treat the letter of the public minded individual as a writ-petition and act upon it."

Article 32 requires various procedural formalities to be gone through by a person seeking to approach the Supreme Court.

A. It is necessary to follow all technical formalities even in PIL cases
B. It is not necessary to follow the technical formalities in such cases
C. The Supreme Court may even treat a letter addressed to it as writ petition in PIL
D. Rule of *locus* standi is not relaxed in such cases

Choose the correct option(s)

1. Only B is correct
2. Only B and C are correct
3. Only C is correct
4. Only A and B are correct

निम्नलिखित गद्यांश के सावधानीपूर्वक पढ़े और दिए गए वस्तु-वस्तु से संबंधित तथ्य के आधार पर प्रश्न के उत्तर दीजिए :

जहां किसी व्यक्ति अथवा किसी व्यक्ति पर्यवासित समूह को कोई विधिक त्रुटि होती है या उन्हें कोई विधिक क्षति पहुंचती है और इसका कारण किसी संवैधानिक अथवा विधिक अधिकार का उल्लंघन है और ऐसा व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का पर्यवासित समूह निर्धनता, बेबसी या निःशक्तता या सामाजिक अथवा आर्थिक दृष्टि से उपेक्षित दशा में है और राहत के लिए न्यायालय तक नहीं पहुंच सकता है तो एसी दशा में तो उस समूह में से कोई भी व्यक्ति किर समुपयुक्त निदेश या आदेश अथवा अनुच्छेद 226 के अधीन रिट के निमित्त उच्च न्यायालय में आवेदन (प्रार्थना पत्र) प्रस्तुत कर सकता है अथवा किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन होने की दशा में अनुच्छेद 32 के अधीन उच्चतम न्यायालय का उपागम ले सकती है ।

जहां समुदाय के कमजोर तबके यथा बिना विचारण के जेलों में पड़े हुए पैरवी, आगार स्थित संरक्षण गृह में अभिरक्षा में रखे गए व्यक्तियों अथवा गरीबी मे जीवन व्यतीत कर रहे अजमेर जिले के सड़क निर्माण में कार्यरत हरिजन कर्मकार जो अपनी खून पसीना बहाकर किसी तरह गुजर बसर कर रहे है, जो शोषण कारी समाज के निस्सहाय पीड़ित हैं और जिन्हें न्याय प्राप्त करने का साधन सुलभतापूर्वक उपलब्ध नहीं है, का संबंध है, उच्चतम न्यायालय जनहित में कार्य करने वाले व्यक्ति द्वारा इन दुर्बल, निःसहाय और कमजोर तब के राहत देने के आशय से नियमित रिट याचिका दायर करने पर बल नहीं देगा । उच्चतम न्यायालय जनहित में कार्य करने वाले ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रेषित पत्र का तत्काल प्रत्योत्तर देगा ।

यह सत्य है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा नियम बनाए गए है जिसमें अनुच्छेद 32 के अधीन राहत के लिए जनहित याचिका दायर करने की प्रक्रिया विहित भी की गई हैं और याचिका दायर करने वाले व्यक्ति को विभिन्न औपचारिकताओं से गुजरने की भी अपेक्षा की गई है। किन्तु इस बात को नहीं भूलना चाहिए कि प्रक्रिया (कार्यविधि) निश्चित तौर पर निर्धारित है, किन्तु यह केवल न्याय प्राप्ति का साधन मात्र है और न्याय प्राप्त के मार्ग में किसी भी प्रक्रियात्मक तकनीकी संबंधी अवयवों को प्रबाधक बनने की अनुमति नहीं दी जायेगी। अत एव न्यायालय अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिना किसे झिझक के कार्य संचालन संबंधी तकनीकी प्रक्रियात्मक नियमों को शामिल करता है और जन हितैषी व्यक्ति द्वारा प्रेषित पत्र को रिट याचिका मानेगा है और इस पर कार्रवाई करेगा ।

अनुच्छेद 32 के अंतर्गत आवश्यक है कि सर्वोच्च न्यायालय में न्याय पाने का इच्छुक व्यक्ति विभिन्न प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं से गुजरे । सही विकल्प चुनिए :

A. पी. आई.एल. में भी सभी तकनीकी औपचारिकताओं का पालन करना आवश्यक है ।
B. ऐसे मामलों में तकनीकी औपचारिकताओं का पालन करना आवश्यकता नहीं है ।
C. सर्वोच्च न्यायालय एक संबोधित किए गए पत्र को भी समादेश याचिका के रूप में मान सकता है ।
D. ऐसे मामलों में सुने जाने के अधिकार के नियम में ढ़ील नहीं दी जाती है ।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

		A1 :	1 1
		A2 :	2 2
		A3 :	3 3
		A4 :	4 4

Objective Question

150 58100

Read the passage carefully and answer the question.

"Where a legal wrong or legal injury is caused to a person or to a determinate class of person by reason of violation of any Constitutional or Legal right and such person or determinate class of persons is by reason of poverty, helplessness or disability or socially or economically disadvantaged position unable to approach the court for relief, any member of the public can maintain an application for an appropriate direction or order or writ in the High Court under Article 226 or in case of breach of any Fundamental Right to this court under Article 32. Where the weaker section of the community are concerned such as undertrial prisoners languishing in jails without a trial, inmates of the protective Home in Agra , or Harijan workers engaged in road construction in the District of Ajmer, who are living in poverty and desolation, who are barely eking out a miserable existence with their sweat and toil, who are helpless victims of an exploitative society and who do not have easy access to justice, the Supreme Court will not insist on a regular writ petition to be filed by the public spirited individual espousing their cause and seeking relief for them. The Supreme court will readily respond to the letter addressed by such individual acting *pro bono piblico*. It is true that there are rules made by the Supreme Court prescribing the procedure for moving it for relief under Article 32 and they require various formalities to be gone through by a person seeking to approach it. But it must not be forgotten that procedure is but a handmaid of justice and the cause of justice may never be allowed to be wasted by any procedural technicalities. The Court will therefore unhesitatingly cast aside the technical rules of procedure in the exercise of its dispensing power and treat the letter of the public minded individual as a writ-petition and act upon it."

In PIL cases the Supreme Court on a regular writ petition has insisted that it should be filed by a public spirited individual espousing the cause. Choose the correct option

1. Supreme Court will insists always
2. Supreme Court may waive this
3. Supreme Court can not insist
4. Person filing the petition should be related to the aggrieved party

निम्नलिखित गद्यांश के सावधानीपूर्वक पढ़े और दिए गए वस्तु-वस्तु से संबंधित तथ्य के आधार पर प्रश्न के उत्तर दीजिए :

जहां किसी व्यक्ति अथवा किसी व्यक्ति पर्यवासित समूह को कोई विधिक त्रुटि होती है या उन्हें कोई विधिक क्षति पहुंचती है और इसका कारण किसी संवैधानिक अथवा विधिक अधिकार का उल्लंघन है और ऐसा व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का पर्यवासित समूह निर्धनता, बेबसी या निःशक्तता या सामाजिक अथवा आर्थिक दृष्टि से उपेक्षित दशा में है और राहत के लिए न्यायालय तक नहीं पहुंच सकता है तो एसी दशा में तो उस समूह में से कोई भी व्यक्ति किस समुपयुक्त निदेश या आदेश अथवा अनुच्छेद 226 के अधीन रिट के निमित्त उच्च न्यायालय में आवेदन (प्रार्थना पत्र) प्रस्तुत कर सकता है अथवा किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन होने की दशा में अनुच्छेद 32 के अधीन उच्चतम न्यायालय का उपागम ले सकती है ।

जहां समुदाय के कमजोर तबके यथा बिना विचारण के जेलों में पड़े हुए पैरवी, आगार स्थित संरक्षण गृह में अभिरक्षा में रखे गए व्यक्तियों अथवा गरीबी मे जीवन व्यतीत कर रहे अजमेर जिले के सड़क निर्माण में कार्यरत हरिजन कर्मकार जो अपनी खून पसीना बहाकर किसी तरह गुजर बसर कर रहे है, जो शोषण कारी समाज के निस्सहाय पीड़ित हैं और जिन्हें न्याय प्राप्त करने का साधन सुलभतापूर्वक उपलब्ध नहीं है, का संबंध है, उच्चतम न्यायालय जनहित में कार्य करने वाले व्यक्ति द्वारा इन दुर्बल, निःसहाय और कमजोर तब के राहत देने के आशय से नियमित रिट याचिका दायर करने पर बल नहीं देगा । उच्चतम न्यायालय जनहित में कार्य करने वाले ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रेषित पत्र का तत्काल प्रत्योत्तर देगा ।

यह सत्य है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा नियम बनाए गए है जिसमें अनुच्छेद 32 के अधीन राहत के लिए जनहित याचिका दायर करने की प्रक्रिया विहित भी की गई हैं और याचिका दायर करने वाले व्यक्ति को विभिन्न औपचारिकताओं से गुजरने की भी अपेक्षा की गई है। किन्तु इस बात को नहीं भूलना चाहिए कि प्रक्रिया (कार्यविधि) निश्चित तौर पर निर्धारित है, किन्तु यह केवल न्याय प्राप्ति का साधन मात्र है और न्याय प्राप्त के मार्ग में किसी भी प्रक्रियात्मक तकनीकी संबंधी अवयवों को प्रबाधक बनने की अनुमति नहीं दी जायेगी। अत एव न्यायालय अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिना किसी झिझक के कार्य संचालन संबंधी तकनीकी प्रक्रियात्मक नियमों को शामिल करता है और जन हितैषी व्यक्ति द्वारा प्रेषित पत्र को रिट याचिका मानेगा है और इस पर कार्रवाई करेगा ।

जनहित याचिका के मामलों में उच्चत्तम न्यायालय नियमित तौर पर इस बात पर जोर दिया है कि यह जन हितार्थ की भावना से कार्य करने वाले व्यक्ति द्वारा दायर किया जाना चाहिए । इस संदर्भ में सही विकल्प चुनिए :

1. उच्चत्तम न्यायालय सदैव इस पर बल देगा ।
2. उच्चत्तम न्यायालय इससे छूट दे जाता है ।
3. उच्चत्तम न्यायालय इस पर बल नहीं देगा।
4. याचिका दायर करनेवाला व्यक्ति व्यथित पक्षकार से संबधित होना चाहिए ।

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4